दैनिक
बिहार पत्रिका
सच के साथ

पटना से प्रकाशित
अंक: 160
वर्ष : 04
मूल्य : 02
पृष्ठ : 06

शनिवार, 08 फरवरी 2025 | दैनिक हिन्दी डिजिटल अखबार | web_dainikbiharpatrika.com

सुविचार

उस काम को कभी ना छोड़ें जिसके बारे में आप हर दिन सोचते हैं !

प्रधानमंत्री मोदी 10 से 13 फरवरी तक फ्रांस और अमेरिका के दौरे पर

दैनिक बिहार पत्रिका

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 10 से 13 फरवरी के बीच फ्रांस और अमेरिका का दौरा करेंगे। प्रधानमंत्री मोदी, फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के साथ फ्रांस में कृत्रिम मेधा (एआई) पर आयोजित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन की अध्यक्षता करेंगे।विदेश सचिव विक्रम मिस्त्री ने शुक्रवार को आयोजित पत्रकार वार्ता में बताया कि फ्रांस में प्रधानमंत्री मोदी और राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों भारत-फ्रांस सीईओ फोरम को संबोधित करेंगे और वे व्यक्तिगत एवं प्रतिनिधिमंडल स्तर की वार्ता प्रारूप में भी चर्चा करेंगे। दोनों नेता पेरिस के बाहर मार्सिले में भारत के नवीनतम महावाणिज्य दूतावास का संयुक्त रूप से उद्घाटन करेंगे। 12 फरवरी की सुबह दोनों नेता प्रथम विश्वयुद्ध के दौरान अपने प्राणों की आहुति देने वाले भारतीय सैनिकों को श्रद्धांजलि देंगे।प्रधानमंत्री मोदी 12 और 13 फरवरी को अमेरिका की आधिकारिक यात्रा पर जाएंगे। मिस्त्री ने बताया कि नए प्रशासन के कार्यभार संभालने के बमुश्किल तीन सप्ताह के भीतर प्रधानमंत्री मोदी को अमेरिका आने का निमंत्रण, भारत-अमेरिका साझेदारी के महत्व को दर्शाता है।

नक्सल प्रभावित क्षेत्र में एरिया डोमिनेशन

दैनिक बिहार पत्रिका/उमाकांत साह

चांदन/बांका। आनंदपुर थाना अध्यक्ष विपिन कुमार के नेतृत्व में पु अ नि अशोक कुमार सिंह अशोक कुमार यादव आदि पुलिस बल द्वारा नक्सल प्रभावित क्षेत्र पिलुआ दहवारा ,हरदिया, पड़रिया ,दुघीबारी सहित आधा दर्जन गांव में फ्लैग मार्च किया। फ्लैग मार्च के पुलिस पदाधिकारियों ने लोगों से बातचीत किया और संदिग्ध व्यक्ति पर नजर रखने के साथ साथ असमाजिक तत्व के लोगों की सूचना थाना को देने की बात कही।

बांका: पथ का निरीक्षण एवं पर्यवेक्षण का किया गया कार्य

बांका। ग्रामीण कार्य विभाग, कार्य प्रमंडल बांका -2 के अंतर्गत चांदन प्रखंड में निर्माणाधीन कटोरिया सिमुलतला पी डब्लू डी पथ से जाकताह पथ का निरीक्षण एवं पर्यवेक्षण का कार्य शुक्रवार को सहायक अभियंता शंकर प्रसाद यादव के द्वारा किया गया है।पथ में कालीकरण का कार्य कराया जा रहा है।

बांका:सम्मान समारोह का किया गया आयोजन

ब्यूरो रिपोर्ट/दैनिक बिहार पत्रिका

बौंसी/बांका। परमेश्वर लाल खेमका सरस्वती शिशु/विद्या मंदिर, बौंसी में कक्षा दशम् के भैया-बहनों का शुक्रवार को सम्मान समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ स्थानीय प्रबंधकारिणी समिति के अध्यक्ष राजीव कुमार सिंह, सचिव डॉ ऋषिकेश कुमार सिन्हा तथा प्रधानाचार्य झुन्नू तिवारी के द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया गया। कक्षा दशम् के भैया-बहनों ने अनुभव कथन कहा जिसमें उन्होंने अपने विद्यालय में बिताए गए समय के बारे में बताया। अध्यक्ष राजीव कुमार सिंह ने भैया-बहनों से कहा कि आप सभी का जीवन का यह बहुमूल्य समय आप लोगों ने विद्यालय को दिया और बदले में विद्यालय ने आप लोगों में शिक्षा के साथ संस्कार डाला। इसी शिक्षा और संस्कार से आप सब और आगे श्रेष्ठ नागरिक बने ऐसी अपेक्षा है। डॉ ऋषिकेश कुमार सिन्हा ने कहा जो भैया-बहन तन्मयता, तल्लीनता से अभी पढ़ाई कर लेंगे उनका उत्कृष्ट परीक्षा परिणाम अवश्य होगा। उन्होंने सभी भैया- बहनों को शुभकामनाएं दी और भविष्य में श्रेष्ठ नागरिक बने ऐसी अपेक्षा रखी। प्रधानाचार्य झुन्नू तिवारी ने कहा की सभी भैया-बहन समय सारणी बनाकर अध्ययन करें, परीक्षा संबंधी कई महत्वपूर्ण बातें बताई। कक्षा नवम् के भैया- बहनों के द्वारा कक्षा दशम् के भैया- बहनों का सम्मान किया गया। समस्त विद्यालय परिवार इन सभी का उज्जवल भविष्य का कामना करता है। इस अवसर पर कक्षा नवम् के कक्षाचार्या रुचि कुमारी, कक्षा दशम् के कक्षाचार्य दीपक कुमार, शिखा ठाकुर, अमरकांत मिश्रा, अंजनी कुमार तथा निकेश कुमार सिंह उपस्थित थे।

राजद का जिला स्तरीय कार्यकर्ता सम्मेलन आयोजित, पार्टी को मजबूत करने पर जोर

'गरीबों और वंचितों के हक की लड़ाई लड़ता रहेगा राजद – महेंद्र विद्यार्थी'

दैनिक बिहार पत्रिका/ रामरूप राय

समस्तीपुर। मोहिउद्दीननगर प्रखंड के डाक बंगला परिसर, कल्याणपुर बस्ती में शुक्रवार को राष्ट्रीय जनता दल (राजद) पंचायती राज प्रकोष्ठ का जिला स्तरीय कार्यकर्ता सम्मेलन आयोजित किया गया। सम्मेलन की अध्यक्षता राजद के वरिष्ठ नेता जवाहरलाल राय ने की, जबकि संचालन राजद नेता मुन्ना यादव ने किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रदेश अध्यक्ष (पंचायती राज व्यवस्था) महेंद्र प्रसाद विद्यार्थी ने कहा कि राष्ट्रीय जनता दल गरीबों और वंचित वर्गों के उत्थान के लिए हमेशा संघर्षरत रहा है। पार्टी के संस्थापक लालू प्रसाद यादव और पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने बिहार से लेकर दिल्ली तक गरीबों के अधिकारों की लड़ाई लड़ी

है। उन्होंने कहा कि शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार के अवसर उपलब्ध कराना राजद की प्राथमिकता रही है। सम्मेलन को संबोधित करते हुए राजद नेता जवाहरलाल राय ने कहा कि राजद किसानों, मजदूरों और गरीबों की पार्टी है, और इस बार जनता का समर्थन रहा तो बिहार में राजद की सरकार बनना तय है। उन्होंने कहा कि तेजस्वी यादव ने महिलाओं और बेरोजगार युवाओं के लिए कई योजनाएं और रणनीतियां तैयार की हैं। कार्यक्रम में पूर्व विधान पार्षद रोमा भारती, अति पिछड़ा प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष अरविंद सहनी, जिला अध्यक्ष राजेंद्र महतो, पूर्व प्रमुख कमलकांत राय, पूर्व जिला पार्षद अशर्फी महतो, अमरनाथ राय, संतोष राय, रामउदगार राय, गजेंद्र प्रसाद गज्जू, जामून राय, वीरेंद्र कुमार अजय, पूर्व मुखिया विनोद राय, नितेश कुमार, काली प्रसाद समेत कई राजद नेता और सैकड़ों कार्यकर्ता मौजूद रहे।

आरपीएफ का सघन चेकिंग अभियान, 19 लोग गिरफ्तार

दैनिक बिहार पत्रिका ,खगड़िया। रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) खगड़िया द्वारा स्टेशन परिसर और ट्रेनों में गुरुवार को सघन चेकिंग अभियान चलाया गया। इस अभियान का नेतृत्व आरपीएफ निरीक्षक प्रभारी अरविंद कुमार राम के निर्देशन में महिला उप निरीक्षक निक्की कुमारी, आरक्षी विक्रम कुमार आजाद, आरक्षी प्रेम कुमार, प्रधान आरक्षी आकाश चंद्र भारती, आरक्षी अर्जुन कुमार व प्रधान आरक्षी रंजित कुमार ने किया। इस दौरान रेलवे अधिनियम की विभिन्न धाराओं के तहत कुल 19 लोगों को गिरफ्तार किया गया। अभियान के दौरान 6 व्यक्तियों को महिला कोच में अनाधिकृत रूप से यात्रा करने, 5 लोगों को दिव्यांग कोच में बिना अनुमति यात्रा करने, 4 लोगों को नो पार्किंग जोन में अवैध रूप से बाइक पार्क करने, 3 व्यक्तियों को ट्रेन में अनधिकृत रूप से खाद्य पदार्थ बेचने तथा 1 व्यक्ति को ट्रेन में सहयात्रियों को परेशान करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार सभी व्यक्तियों के विरुद्ध आरपीएफ खगड़िया में मामला दर्ज कर उन्हें रेलवे न्यायालय, खगड़िया में पेश किया गया। आरपीएफ निरीक्षक प्रभारी अरविंद कुमार राम ने बताया कि रेलवे परिसर में सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने और अवैध गतिविधियों पर अंकुश लगाने के लिए ऐसे अभियान लगातार चलाए जाएंगे।

गोगरी अवर निबंधन कार्यालय में लापरवाही, बिना दिनांक और हस्ताक्षर के जारी किया गया पत्र

मंत्री के क्षेत्र में ही सरकारी नियमों की अनदेखी, प्रशासन पर उठे सवाल

दैनिक बिहार पत्रिका/रेशु रंजन

खगड़िया। जिले के गोगरी अवर निबंधन कार्यालय में लापरवाही का एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है। कार्यालय के मुख्य द्वार पर बिना दिनांक, पत्रांक और हस्ताक्षर के एक पत्र चस्पा कर दिया गया, जिससे प्रशासनिक कार्यशैली पर सवाल खड़े हो गए हैं। यह घटना खासतौर पर इसलिए भी चर्चा में है क्योंकि गोगरी निवासी डॉ. दिलीप कुमार जायसवाल, बिहार सरकार के राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग के माननीय मंत्री हैं। बावजूद इसके, उनके ही क्षेत्र के सरकारी दफ्तर में इस तरह की अनियमितता सामने आ रही है।

प्रशासनिक लापरवाही या सुनियोजित गलती?

सरकारी कार्यालयों में किसी भी आधिकारिक पत्र के लिए पत्रांक, दिनांक और हस्ताक्षर अनिवार्य होते हैं, लेकिन गोगरी निबंधन कार्यालय में नियमों की धज्जियां उड़ाते हुए ऐसा पत्र जारी किया गया, जिससे विभाग की कार्यशैली पर गंभीर सवाल उठ रहे हैं।

स्थानीय लोग कर रहे जवाबदेही की मांग

इस मामले को लेकर स्थानीय नागरिकों और अधिवक्ताओं में आक्रोश है। लोगों का कहना है कि जब मंत्री का गृह क्षेत्र होते हुए भी सरकारी दफ्तरों में ऐसी लापरवाही हो सकती है, तो अन्य क्षेत्रों में क्या स्थिति होगी? उन्होंने इस मामले की जांच कर दोषी कर्मियों पर कार्रवाई करने की मांग की है।

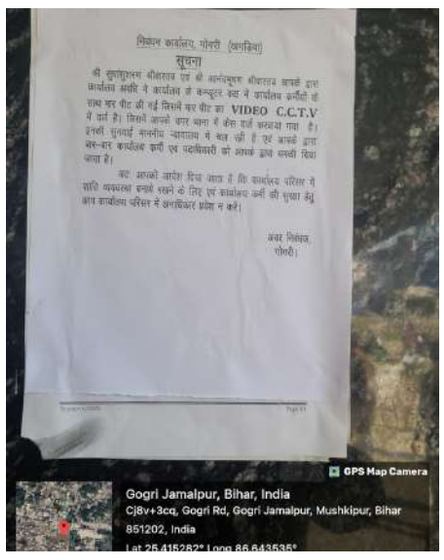

क्या कहता है प्रशासन?

इस मामले को लेकर जब संबंधित अधिकारियों से संपर्क किया गया, तो उन्होंने कोई ठोस जवाब नहीं दिया। अब देखना होगा कि सरकार और प्रशासन इस लापरवाही पर क्या कार्रवाई करता है और अव्यवस्था को सुधारने के लिए क्या कदम उठाए जाते हैं।

सुगम्य यात्रा का किया गया आयोजन

ब्यूरो रिपोर्ट/दैनिक बिहार पत्रिका

बांका। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग भारत सरकार नई दिल्ली के आदेश के आलोक में बाँका जिले में शुक्रवार को सुगम्य यात्रा का आयोजन किया। इस यात्रा का उद्देश्य जिले के विभिन्न सार्वजनिक स्थलों में दिव्यांगजन हेतु पहुँच मानकों का अनुपालन सुनिश्चित करना है। इस अभियान के अंतर्गत विभिन्न भवनों को दिव्यांगजन हेतु सुगम्य बनाया जाना है। बाँका जिले के अंतर्गत आज तीन भवनों यथा बुनियाद केंद्र, अनुमंडल पदाधिकारी कार्यालय एवं सदर अस्पताल का एक्सेसेबिलिटी ऑडिट किया गया। आँकड़ों का संग्रहण और परीक्षण एस टू एक्सेस एप्प से किया गया। एक्सेसिबिलिटी ऑडिट विभाग द्वारा गठित समिति के द्वारा की गई। संपूर्ण कार्य का अनुश्रवण सहायक निदेशक दिव्यांगजन सशक्तिकरण, बांका के द्वारा किया गया।

आंगनबाड़ी केंद्रों पर गर्भवती महिलाओं की हुई गोद भराई की रस्म

दैनिक बिहार पत्रिका

बांका। जिले के विभिन्न आंगनबाड़ी केंद्रों में शुक्रवार को गोद भराई दिवस उत्साहपूर्वक मनाया गया। इस अवसर पर गर्भवती महिलाओं का पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ गोद भराई कर उनका सम्मान किया गया। कार्यक्रम के दौरान आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं ने गर्भवती महिलाओं को संतुलित आहार, नियमित स्वास्थ्य जांच और सुरक्षित प्रसव के महत्व के बारे में जागरूक किया। उन्हें पोषणयुक्त आहार जैसे हरी सब्जियां, दाल, फल, दूध आदि के सेवन की सलाह दी गई। जिला महिला एवं बाल विकास अधिकारी ने बताया कि गोद भराई दिवस मनाने का उद्देश्य गर्भवती महिलाओं को पोषण और स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करना है, जिससे शिशु और मां दोनों का स्वास्थ्य सुरक्षित रहे। इस मौके पर कई केंद्रों में स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों ने भी भाग लिया और गर्भवती महिलाओं की जांच कर उन्हें उचित परामर्श दिया। समारोह में उपस्थित महिलाओं ने खुशी जाहिर करते हुए कहा कि इस तरह के आयोजन से उन्हें सही जानकारी मिलती है और वे गर्भावस्था के दौरान बेहतर देखभाल कर सकती हैं।

युवक ने ख़ुद के ही अपहरण की रची साजिश,अपने ही घरवालों से फिरौती मांगा,हुआ गिरफ्तार

बैंक के लोन से छुटकारा पाने के लिए रची थी अपने ही अपहरण की साजिश

दैनिक बिहार पत्रिका

बाराहाट/बांका। अपने ही अपहरण की साजिश रचकर परिजनों से फिरौति मांगने के मामले में युवक को पुलिस ने 72 घंटे के अंदर गिरफ्तार कर लिया है। इस मामले में बाराहाट थाना क्षेत्र के फुलहारा गांव की रीना देवी ने चार फरवरी को थाने में अपने पति सियाराम मंडल की गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। जिसमें उसने पुलिस को बताया था कि उसके पति एक फरवरी को रात आठ बजे खाना खाने के बाद टहलने निकले थे, जो वापस घर नहीं लौटे। जिसके बाद उसकी काफी खोज-बीन करने के बाद भी उसका कुछ पता नहीं चला। इस मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए एसपी उपेंद्र नाथ वर्मा के निर्देश पर बौंसी एसडीपीओ अर्चना कुमारी के नेतृत्व पुलिस पदाधिकारियों व बल की टीम गठित की गई। जिसने दो दिनों के अंदर ही अपने ही अपहरण की झूठी साजिश रचने वाले सियाराम मंडल को बरामद करते हुए शुक्रवार को मामले का खुलासा कर दिया है। इस संबंध में एसडीपीओ ने बताया कि

गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज होने के बाद से ही अपहृत अपने ही मोबाइल से फोन कर अपने रिश्तेदारों को ये जानकारी दी की कुछ लोगों ने उसका अपहरण कर लिया और उसे छोडने के एवज में पांच लाख की फिरौति मांग रहा है। वहीं, अपहरणकर्ता ने भी उसके रिश्तेदारों को फोन पर ये धमकी दी थी कि अगर उसे फिरौती की रकम नहीं मिली तो उसे जान से मार देंगे। जिसकी सकुशल बरामदगी के लिए पुलिस टीम ने लगातार कई स्थानों पर छापेमारी कर उसे बरामद किया गया। जिसके पास से पुलिस ने फिरौती के लिए इस्तेमाल की गई मोबाइल भी बरामद की है। एसडीपीओ ने बताया कि गिरफ्तार अपहृत बैंक के कर्ज के बोझ से दबा है। जिससे छुटकारा पाने के लिए उसने अपने ही अपहरण की साजिस रच कर अपने रिश्तेदारों से फिरौती के तौर पर पैसे की डिमांड कर रहे थे। अपहृत ने भी पुलिस के सामने इस बात को स्वीकार किया है कि वे बैंक के कर्ज के बोझ से बचने के लिए अपने ही अपहरण की साजिश रच कर रिश्तेदारों से फिरौती की मांग कर रहे थे। जिससे वे बैंक के कर्जे से मुक्त हो सकें। इस अभियान को अंजाम देने के लिए गठित की गई विशेष टीम में बौंसी के अंचल निरीक्षक राजरतन, तकनीकी शाखा प्रभारी राजेश कुमार, रजौन थानाध्यक्ष चंद्रदीप कुमार, बाराहाट थानाध्यक्ष दीपक पासवान, पुलिस अवर निरीक्षक रोहित राज व संगीत कुमारी सहित पुलिस बल शामिल थे।

खादी मेला/प्रदर्शनी सह उद्यमी बाजार का जिला पदाधिकारी ने फीता काट कर किया उद्घाटन

दैनिक बिहार पत्रिका

बांका। बिहार राज्य खादी ग्रामोद्योग बोर्ड, पटना के सौजन्य से खादी मेला/प्रदर्शनी सह उद्यमी बाजार का उद्घाटन शुक्रवार को जिला पदाधिकारी, बांका अंशुल कुमार द्वारा फीता काट कर किया गया। यह मेला दिनांक 07.02.2025 से 19.02.2025 तक आर.एम.के. हाई स्कूल ग्राउंड, बांका में किया जाएगा। खादी मेला / प्रदर्शनी का आयोजन हेतु लगभग 120 (एक सौ बीस) स्टॉल का निर्माण किया गया है, जिसमें खादी / हैण्डलूम एवं हैण्डीक्राफ्ट, हस्तशिल्प, मुख्यमंत्री उद्यमी योजना/पी०एम०ई०जी०पी०/जीविका समूह एवं अन्य का स्टॉल लगाया गया है। खादी मेला/प्रदर्शनी सह उद्यमी बाजार में आकर खादी वस्त्रों की बिक्री पर छूट का लाभ उठा सकते हैं। खादी / हैण्डलूम एवं हैण्डीक्राफ्ट के 80 संस्थाओं द्वारा बिहार के उत्पादित अपने उत्कृष्ट सामग्रियों के साथ भाग लिया गया है। इस मेला का मुख्य उद्देश्य खादी वस्त्रों एवं ग्रामोद्योगी उत्पाद का प्रचार-प्रसार तथा उत्पाद को बाजार उपलब्ध कराना है, ताकि अधिक से अधिक बिक्री हो सके एवं इससे जुड़े कामगारों को प्रोत्साहन मिलें। मेला में खादी के 70 स्टॉल, हैण्डलूम एवं हैण्डीक्राफ्ट के 10 स्टॉल, मुख्यमंत्री उद्यमी योजना/पी०एम०ई०जी०पी०/पी०एम०एफ०एम०ई० के 20 स्टॉल तथा अन्य छोटे-छोटे ग्रामोद्योग से जुड़े उद्यमियों के स्टॉल लगाये गये हैं। स्टॉल पर बिहार उत्पादित सामग्रियों आकर्षण का केन्द्र बना हुआ है। खादी / ग्रामोद्योग पूरे देश के साथ बिहार के भी करोड़ों लोगों की आजीविका का साधन है। इसके लिए आज हमलोगों को खादी के प्रति संकल्प लेने का दिन है, आईये हमसब मिलकर खादी एवं ग्रामोद्योग को बढ़ावा देने के लिए संकल्प लें, की कम-से-कम खादी का एक वस्त्र हर घर में हो, ताकि राज्य के हजारों बुनकरों एवं युवाओं को रोजगार मिल सके। वित्तीय वर्ष 2024-25 में खादी के प्रचार-प्रसार हेतु मुजफ्फरपुर, भागलपुर, गया, सीतामढ़ी सहरसा, राजगीर, पूर्णियों एवं औरंगाबाद में खादी मेला/प्रदर्शनी का आयोजन किया गया, जिसमें लगभग रू0-5.25 करोड़ की बिक्री हुई। उद्घाटन समारोह में उप विकास आयुक्त, बांका अंजनी कुमार, अपर समाहर्ता, बांका अजीत कुमार, जिला उद्योग महा प्रबंधक, बांका शम्भु पटेल, जिला खादी ग्रामोद्योग पदाधिकारी अभय सिंह, प्रदीप कुमार एवं बोर्ड के कर्मचारी सहित अन्य उपस्थित थे।

पसराहा में सरस्वती पूजा समापन पर मेले का आयोजन, कुश्ती मुकाबले रहे आकर्षण का केंद्र

पसराहा मेले में कुश्ती का रोमांच, पहलवानों ने दिखाए दमखम

दैनिक बिहार पत्रिका

खगड़िया। जिले के गोगरी अनुमंडल के पसराहा में सरस्वती पूजा समापन के अवसर पर शुक्रवार को विशाल मेले का आयोजन किया गया। पसराहा फील्ड में लगे इस मेले में स्थानीय लोगों के साथ-साथ ग्रामीण इलाकों से भी बड़ी संख्या में लोग पहुंचे। मेले में सबसे बड़ा आकर्षण कुश्ती प्रतियोगिता रही, जिसमें स्थानीय पहलवानों का दबदबा देखने को मिला। इस प्रतियोगिता में बिहार समेत विभिन्न राज्यों से आए पहलवानों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया, जिसे दर्शकों ने खूब सराहा। इसके अलावा मेले में तारा मंची, ब्रेक डांस, नागिन झूला, घोड़ा सवारी और एरोप्लेन झूला जैसे मनोरंजन के साधनों ने बच्चों और युवाओं को खूब लुभाया। मीना बाजार में सजे रंग-बिरंगे स्टॉल्स और दर्जनों मिठाई की दुकानों से पूरा बाजार गुलजार रहा। ग्रामीण क्षेत्र से भी बड़ी संख्या में लोग मेले में पहुंचे, जिससे मेले का माहौल और भी उत्साहजनक हो गया। मेले में स्थानीय व्यवसायियों को भी अच्छा लाभ हुआ। आयोजकों ने बताया कि हर साल इस तरह के आयोजन से स्थानीय संस्कृति को बढ़ावा मिलता है और समाज में एकजुटता कायम रहती है।

कथा वाचिका जया किशोरी ने विष्णु पद मंदिर में की पूजा-अर्चना,हुआ स्वागत

दैनिक बिहार पत्रिका ,गया। सुप्रसिद्ध कथा वाचिका सुश्री जया किशोरी जी ने बृहस्पतिवार को विष्णुपद मंदिर में भगवान विष्णु की विशेष पूजा अर्चना कर उनका आशीर्वाद लिया है। गर्भ गृह में विष्णुपद प्रबंधकारिणी समिति के सानिध्य में ने पूरे वैदिक मंत्रोच्चारण और विष्णु सहस्त्रनाम के साथ विशेष पूजा अर्चना कराया गया है। उन्होंने भगवान विष्णु से राष्ट्र के उन्नति- प्रगति के साथ के सुख और समृद्धि की प्रार्थना की है। इस दौरान उन्होंने मंदिर के स्थापत्य कला को देखकर ऐतिहासिक एवं धार्मिक महत्व की जानकारी प्राप्त की है। बता दें की वे विष्णुपद मंदिर में पहली बार दर्शन करने पहुंची थी।उनके लिए जिला प्रशासन की ओर से विशेष व्यवस्था की गई थी। मंदिर परिसर में सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए थे।इस दौरान श्री विष्णुपद प्रबंधकरिणी समिति के अध्यक्ष शंभू लाल विट्ठल, सचिव गजाधर लाल पाठक, कोषाध्यक्ष सुनील लाल हल,बच्चू लाल चौधरी,सदस्य मणि लाल बारिक, विनय जैन आदि लोगों ने समस्त पंडा समाज की ओर से अंग वस्त्र व विष्णु चरण भेंट कर सम्मानित किया है।

जलग्रहण यात्रा (वाटरशेड यात्रा) के अन्तर्गत प्रभात फेरी का किया गया आयोजन

दैनिक बिहार पत्रिका,बांका। कृषि (भूमि संरक्षण) विभाग, बांका अन्तर्गत क्रियान्वित योजना प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना (जलछाजन-विकास घटक) 2.0 के अन्तर्गत सहायक निदेशक (शष्य) भूमि संरक्षण, बांका के सौजन्य से जलग्रहण विकास गतिविधियों के संबंध में जनभागीदारी बढ़ाने एवं जागरूगकता विकसित करने के लिए जलग्रहण यात्रा (वाटरशेड यात्रा) के अन्तर्गत ग्राम सहदेवा नावाडीह पंचायत-लकरामा प्रखंड कटोरिया में प्रभात फेरी का आयोजन शुक्रवार को किया गया, जिसमें प्रोन्नत मध्य विद्यालय नावाडीह के छात्र-छात्राए एवं ग्रामीण सामिल हुए। जिसमें कार्यालय के श्री महेन्द्र गुर्जर, परियोजना प्रबंधक-सह-तकनीकी विशेषज्ञ, पप्पु आनंद, कृषि विशेषज्ञ, नीरज कुमार, अभियंत्रण विशेषज्ञ एवं अध्यक्ष-सह-मुखिया जलछाजन समिति लकरामा के कमलाकांत यादव एवं जलछाजन समिति के सचिव के द्वारा कार्यक्रम को सम्पन्न कराया गया।

प्रधानमंत्री आवास में अवैध वसूली का बीडीओ को दिया आवेदन

दैनिक बिहार पत्रिका/उमाकांत साह

चांदन/बांका। प्रखंड अंतर्गत दक्षिणी वारने पंचायत के उप मुखिया सुजीत कुमार ने पंचायत के आवास सहायक बैजनाथ दास पर लाभुकों से अवैध वसूली का आरोप लगाते हुए कार्रवाई की मांग की है. प्रखंड विकास पदाधिकारी सहित अन्य संबंधित पदाधिकारियों को प्रेषित शिकायती पत्र में कहा गया है कि दक्षिणी वारने पंचायत में पदस्थापित आवास सहायक द्वारा प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ दिलाने के नाम पर कई लाभुकों से रुपये की वसूल किए जा रहे हैं. वहीं जिन लोगों का चयन आवास योजना के लिए कर लिया गया है, उनसे बैंक खाते में राशि अंतरण के लिए भी रुपये की वसूली की गई है.उपमुखिया ने पत्र में कहा है कि शिकायत की जांच होने तक आवास सहायक द्वारा कराए जा रहे कार्यों पर रोक लगाई जाए एवं उचित कार्रवाई की जाए. आवेदन में पंचायत के मुखिया तुलसी रजक पंचायत समिति सदस्य छोटेलाल भगत वार्ड सदस्य भातु पासवान रंजीत कुमार सुजीत रमानी विकास पंडित मोहन यादव महेंद्र कारी देवी शिल्पा देवी सुनीता कुमारी ने आवेदन में हस्ताक्षर कर कार्रवाई की गुहार संबंधित पदाधिकारी से लगाई है.वहीं दूसरी ओर आवास सहायक बैजनाथ दास ने बताया कि वार्ड सदस्य एवं उपमुखिया सुजीत रमनी द्वारा लगाया आरोप बेबुनियाद है. उप मुखिया सुजीत रमानी एवं वार्ड सदस्य सदस्यों (गैर) आयोग्य लाभुक का आवास योजना में नाम अंकित करने का दबाव दिया जा रहा था। दबाव में नही आने के कारण आरोप लगाया गया जो जांच का विषय है।

पीडीएस दुकानदार संघ के आह्वान पर अनिश्चितकालीन हड़ताल पर, अनाज वितरण कार्य ठप

दैनिक बिहार पत्रिका/ कामेश्वर साह

फुल्लीडुमर/बांका। प्रखंड के सभा भवन में शुक्रवार को प्रखंड के सभी पीडीएस दुकानदार प्रखंड संघ के अध्यक्ष कमलाकांत यादव की अध्यक्षता में अपनी आठ सूत्री मांगों को लेकर एक बैठक आयोजित की गई। बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में संघ के प्रदेश अध्यक्ष सह जिला अध्यक्ष सच्चिदानंद तिवारी भी उपस्थित थे। संघ के प्रदेश अध्यक्ष सह जिला अध्यक्ष सच्चिदानंद तिवारी की मौजूदगी में प्रखंड के सभी पीडीएस दुकानदार अपनी 8 सूत्री मांगों को लेकर अनिश्चितकालीन हड़ताल पर 01 फरवरी से डटे हुए हैं। पीडीएस दुकानदारों को हड़ताल पर चले जाने के कारण अनाज वितरण का कार्य ठप्प हो गया है। इस दौरान बैठक के बाद आज शुक्रवार को एक इसकी लिखित ज्ञापन प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी नवीन कुमार के कार्यालय में दिया गया। वहीं अपनी मांगों का ज्ञापन प्रखंड

विकास पदाधिकारी कृष्णा कुमार को भी संघ के प्रदेश अध्यक्ष सह जिला अध्यक्ष सच्चिदानंद तिवारी के द्वारा सभी पीडीएस दुकानदारों की मौजूदगी में दिया गया। इस दौरान संघ के प्रखंड अध्यक्ष कमलाकांत यादव, एवं प्रदेश अध्यक्ष सच्चिदानंद तिवारी ने जानकारी देते हुए बताया कि प्रदेश संघ की ओर से आठ सूत्री मांगों को लेकर राज्य के हर जिले में एवं हर प्रखंड में अनिश्चितकालीन हड़ताल को लेकर लगातार कार्यक्रम चलाया जा रहा है । यह भी बताया गया कि जब तक सरकार हम लोगों की मांग को पूरी नहीं कर देती है तब तक अनिश्चिंतकालिन हड़ताल जारी रहेगा। वहीं पीडीएस दुकानदारों की मुख्य मांगे 300 रूपए प्रति क्विंटल कमिशन, आजीवन अनुकंपा का लाभ, साप्ताहिक छुट्टी , अनाज मापतोल शुल्क आदि मांगे हैं। प्रदेश अध्यक्ष ने यह भी कहा कि अनिश्चितकालीन हड़ताल के संबंध मे जिला पदाधिकारी बांका, अनुमंडल पदाधिकारी बांका को भी फेयर प्राइस डीलर एसोसिएशन बिहार राज्य संगठन के द्वारा अनिश्चितकालीन हड़ताल के संबंध में जानकारी उपलब्ध करा दी गई है। इस मौके पर आज के इस बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में प्रदेश अध्यक्ष सह जिला अध्यक्ष सच्चिदानंद तिवारी, प्रखंड संघ के अध्यक्ष कमलाकांत यादव, विजय भगत, कृष्णानंद यादव, पूरन मंडल, मुरारी साह, सतीश चंद्र राय, सुभाष कुमार, संदीप पंडित, शंकर यादव, प्रियंका देवी, अंजू देवी, नवल किशोर शाह, लक्ष्मण शाह, अनिल भगत, बद्री प्रसाद यादव, कमलेश्वरी प्रसाद राव, पुष्पलता कुमारी, मनीष कुमार आदि अन्य पीडीएस दुकानदार उपस्थित थे।

वन विभाग द्वारा घटिया रास्ता निर्माण के खिलाफ सैकड़ो ग्रामीणों ने किया उग्र प्रदर्शन

दैनिक बिहार पत्रिका/ कामेश्वर साह

फुल्लीडुमर/बांका। 7 फरवरी 2025 शुक्रवार को फुल्लीडुमर प्रखंड क्षेत्र के लगभग आधे दर्जन गांवों के सैकड़ो ग्रामीणों में मोर्चा खोलते हुए वन विभाग द्वारा घटिया रास्ता मरम्मती करने के खिलाफ प्रखंड क्षेत्र के दो अलग-अलग वन क्षेत्र के मार्ग में अलग-अलग समय में उग्र प्रदर्शन करते हुए वन विभाग मुर्दाबाद, रास्ता मरम्मती के नाम पर सरकारी राशि का लूट करना बंद करो आदि के नारे लगा रहे थे। जानकारी के अनुसार प्रखंड क्षेत्र के भेलवातरी, ढ़ोढ़री, चोन्हा, सिसवादमगी, फुल्लीडुमर आदि गांव के दर्जनों ग्रामीणों ने ढ़ोढ़री एवं भेलवातरी गांव के वन क्षेत्र के बीच वन विभाग के खिलाफ प्रदर्शन किया गया। जबकि प्रखंड क्षेत्र के चौडांड, भुड़कुड़िया, जतकुटिया, जतकुटिया, दूधघटिया, उर्दावारी, मयूरनाचन आदि कई गांव के दर्जनों लोगों ने फुल्लीडुमर बांध एवं सांवा लाख बाबा वन क्षेत्र के बीच वन विभाग के रास्ता निर्माण में बरती जा रही अनियमितता के खिलाफ प्रदर्शन किया गया। वहीं इसकी जानकारी देते हुए प्रदर्शनकारी धनेश्वर तांती, तालेश्वर तांती, अशोक राय, प्रकाश तांती, विजय राय, महेश तांती ,शालिग्राम तांती,नंदकिशोर तांती, पवन राय, नारायण राय, गिरधारी तांती, सुनील तांती, सतीश तांती, रामप्रकाश तांती,अजमेर अंसारी, जागेश्वर राय ,जोगेंद्र राय, अनंत शाह, मनीष कुमार कोल, विवेकानंद तांती, बबलू कुमार, चमरू राय, चंदू तांती सहित दर्जनों ग्रामीणों ने बताया कि वन विभाग के पदाधिकारी द्वारा प्रखंड क्षेत्र के माताथान से ढ़ोढ़री एवं फुल्लीडुमर बांध से सवा लाख बाबा जवाबहियार गांव तक के वन क्षेत्र के रास्ते की मरम्मती दो-तीन दिन पूर्व से किया जा रहा है। आगे प्रदर्शनकारी ग्रामीणों ने बताया कि विभाग द्वारा रास्ता मरम्मती के नाम पर सिर्फ खाना पूर्ति करते हुए कहीं-कहीं मिट्टी मोरंग छींटकर रास्ता मरम्मती का घटिया कार्य कर सरकारी राशि की बंदरबांट की जा रही है। आगे ग्रामीणों ने यह भी बताया कि यह वन क्षेत्र का मार्ग इतना महत्वपूर्ण है कि इस मार्ग से प्रतिदिन दिन रात दर्जनों गांव के सैकड़ो ग्रामीण फुलीडुमर प्रखंड कार्यालय, अस्पताल, थाना, बैंक, हाई स्कूल, इंटर कॉलेज, बाजार आदि आते जाते रहते हैं। फिर भी इतने महत्वपूर्ण सड़क की वन विभाग द्वारा मरम्मती के नाम पर सिर्फ लीपापोती किया जा रहा है। जिससे ग्रामीणों में आक्रोश है। साथ ही प्रदर्शनकारियों ने 7 दिनों के अंदर कार्य में सुधार नहीं होने पर प्रखंड कार्यालय के समक्ष शांतिपूर्वक धरना प्रदर्शन करने की भी बात कही गई। वहीं ग्रामीणों के उग्र प्रदर्शन को देखते हुए प्रखंड विकास पदाधिकारी कृष्णा कुमार एवं वन विभाग के पदाधिकारीयों ने जल्द ही ग्रामीणों के समस्या के समाधान का भरोसा दिया गया।

भक्ति: भव्य कलशयात्रा के साथ श्री लक्ष्मीनारायण वार्षिकोत्सव यज्ञ प्रारम्भ

दैनिक बिहार पत्रिका

11 दिनों तक मऊ बाजार में बहेगी भक्ति, आध्यात्म और सत्संग की धारा, श्रीमद् भागवत कथा आज से

विद्यापतिनगर। प्रखंड अंतर्गत मऊ बाजार में स्थित श्री लक्ष्मी-नारायण मंदिर परिसर में 11 दिवसीय 9वें वार्षिकोत्सव यज्ञ की शुरुआत शुक्रवार को भव्य कलश शोभायात्रा के साथ हुई। इस अवसर पर यज्ञ के आचार्य पंडित राजेश झा, चन्द्र भूषण झा, विनोद झा के द्वारा वैदिक मंत्रोच्चार एवं विधि-विधान से कलश पूजन कराया गया। इस दौरान भक्तों के जयकारे से पूरा वातावरण भक्तिमय बना रहा। शोभायात्रा के दौरान लाल एवं पीले पारंपरिक वस्त्र से सुसज्जित 551 कन्याओं ने अपने माथे पर आस्था का कलश धारण कर बाया नदी से जल ले कर मंदिर पहुंच अपने कलश को यज्ञशाला में रखा। कलश यात्रा में शामिल कन्याएं गंगा की सहायक बाया नदी से जल लेने के बाद चिनगीया बांध होते हुए मऊ बाजार की परिक्रमा कर मंदिर पहुंची। इस कलश यात्रा में गाजे-बाजे के साथ पैदल चल रहें भक्त हरे कृष्णा-हरे रामा एवं श्री मन नारायण का जयकारा लगाते हुए आगे बढ़ रहे थे, जिससे पूरा क्षेत्र भक्ति रस में सराबोर हो उठा। कलशयात्रा के उपरांत संध्या चार बजे से अखंड रामनाम ध्वनि संकीर्तन की शुरूआत हुई। इस अवसर पर मंदिर समिति के सदस्यों के अलावा बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद थे।

2016 में मंदिर में स्थापित की गई थी संगमरमर की प्रतिमा

श्री लक्ष्मीनारायण मंदिर के नवनिर्माण के बाद 2016 में मंदिर में माता लक्ष्मी एवं नारायण की आकर्षक प्रतीमा स्थापित की गई थी, जिसके बाद 11 वर्षों के यज्ञ का संकल्प लिया गया था। इस साल 9वां वार्षिकोत्सव यज्ञ का आयोजन किया जा रहा है। 11 दिनों तक चलने वाले इस यज्ञ का समापन 17 फरवरी को कन्या पूजन के साथ होगा। मंदिर के पुरोहित विनोद झा ने बताया कि शनिवार से दिन में हवन-पूजन के साथ रामचरितमानस का पाठ किया जाएगा एवं संध्या 6 से श्रीधाम वृन्दावन से पधारी साध्वी खुशबू किशोरी के मुखारविंद से श्रीमद्भागवत कथा प्रस्तुत किया जाएगा।

पंचायत सरकार भवन की प्रस्तावित भूमि पर कब्जा करने पहुंची प्रशासन का प्रचाधारियों ने किया विरोध

हंगामा और मारपीट के बाद ग्रामीणों ने एनएच 122 बी को किया जाम

दैनिक बिहार पत्रिका

विद्यापतिनगर। प्रखंड अंतर्गत बढ़ौना पंचायत स्थित वार्ड संख्या-3 मटखुनमा में पंचायत सरकार भवन हेतु प्रस्तावित भूमि पर शुक्रवार को सीमांकन व निर्माण योजना (लेआउट) करने पहुंची प्रशासन की टीम को प्रचाधारी महादलित परिवार के लोगों के भारी विरोध का सामना करना पड़ा। अंचलाधिकारी कुमार हर्ष द्वारा पुलिस बल की मौजूदगी में सीमांकन व जेसीबी मशीन द्वारा निर्माण योजना (लेआउट) करने पहुंचने की खबर मिलते ही दर्जन भर महादलित परिवार के लोगों ने पूर्व मुखिया कारी सदा के नेतृत्व में उक्त भूमि पर पहुंच कर इसका विरोध करना शुरू कर दिया। महादलित परिवार से जुड़े 10 परिवार के लोगों ने सीओ कुमार हर्ष द्वारा की जा रही उक्त कार्रवाई का विरोध करते हुए कहा कि वर्ष 2001 में उक्त भूखंड में से 10 -10 डिसीमिल भूमि उनलोंगों को तत्कालीन डीएम व सीओ द्वारा मिला था। बावजूद उक्त जमीन पर पंचायत सरकार भवन का निर्माण कराया जाना विधिसम्मत नहीं है। इसी दौरान पंचायत सरकार भवन के निर्माण के पक्षधर कतिपय लोगों ने विरोध कर रहे महादलित परिवार की महिलाओं सहित घटनाक्रम की रिपोर्टिंग कर रहे एक यूट्यूबर सुमित कुमार भारती उर्फ गोपाल जी के साथ मारपीट व गाली गलौज करना शुरू कर दिया। इसके बाद हंगामा और बवाल बढ़ गया। पीड़ित लोगों ने सीओ के शह पर मारपीट की घटना घटित होने का आरोप लगाते हुए प्रशासन विरोधी जमकर कर नारेबाजी करते हुए सीओ के साथ दुर्व्यवहार करने की कोशिश भी की। स्थिति कि नजाकत भांप प्रशासनिक अधिकारियों ने पास के एक विद्यालय परिसर में जाकर अपनी जान बचाई। उधर मारपीट व गाली गलौज की घटना से भड़के लोगों ने कुंवर टोल स्थित हनुमान मंदिर के समीप एनएच 122 बी को जाम कर दिया। सैकड़ों लोगों के साथ जाम स्थल पर जुटे लोगों ने मारपीट व गाली गलौज करने वाले कतिपय लोगों की अविलंब गिरफ्तारी की मांग को लेकर जमकर हंगामा मचाया। सरायरंजन विस के पूर्व प्रत्याशी आभाष कुमार झा, युवा जदयू जिलाध्यक्ष विशाल कुमार, पूर्व उप मुखिया संजीव कुमार बेनी, पूर्व पैक्स अध्यक्ष सुनील कुंवर सहित अन्य नेताओं ने सीओ व थानाध्यक्ष फिरोज आलम से वार्ता के कर सड़क जाम कर रहे लोगों को काफी समझाया बुझाया लेकिन आंदोलनकारी विरोध प्रदर्शन में जुटे रहे। देर शाम तक सड़क जाम जारी रहा। वहीं सीओ कुमार हर्ष ने बताया कि जिला प्रशासन के निर्देश पर प्रशासनिक अधिकारी सीमांकन व निर्माण योजना (लेआउट) करने गए थे। जहां पूर्व के प्रचाधारियों द्वारा विरोध किया गया है। फिलहाल निर्माण कार्य को रोक दिया गया है। वरीयता अधिकारियों को स्थिति से अवगत करा दिया गया है। जिला से निर्देश मिलने के बाद ही कुछ होगा। उधर पूर्व मुखिया कारी सदा ने अपनी पत्नी रीना देवी,पुत्र कुंदन कुमार सदा व यूट्यूबर सुमित कुमार भारती उर्फ गोपाल जी ने आधा दर्जन आरोपितों के विरुद्ध पुलिस को लिखित आवेदन देकर न्याय की गुहार लगाई है।

गया नगर निगम क्षेत्र में वेंडिंग जोन बनाने हेतु टाऊन वेंडिंग कमिटी की बैठक की गई

दैनिक बिहार पत्रिका

गया। गया नगर निगम के सभा कक्ष में नगर आयुक्त कुमार अनुराग की अध्यक्षता में टाउन वेंडिंग कमेटी की बैठक आहूत की गई है। इस बैठक में प्रतिदिन गया शहर में फुटपाथी विक्रेताओं के द्वारा यत्र तत्र अवैध जगह पर दुकान लगाकर शहर की ट्रैफिक व्यवस्था को बाधित करना एवं आमजन को इससे होने वाली परेशानियां तथा फुटपाथी विक्रेताओं की समस्याओं को देखते हुए वेंडिंग जोन का निर्माण कर व्यवस्थित करने पर चर्चा की गई है इस बैठक में नगर निगम के कल 11 वेंडिंग जोन निर्माण के प्रस्ताव पर विस्तृत चर्चा की गई है। नगर आयुक्त गया नगर निगम के द्वारा फिलहाल नगर निगम क्षेत्र अंतर्गत जयप्रकाश नारायण अस्पताल के पीछे, गोल पत्थर के पूर्वी भाग ,उत्तरी भाग एवं दक्षिणी भाग में दीवाल से सेट स्थाई रूप से वेंडिंग जोन बनाने का निर्देश दिया गया है। गांधी मैदान चर्च के दक्षिण भाग के खाली स्थान को चिन्हित कर अस्थाई वेंडिंग जोन बनाने साथ ही साथ सिकरिया मोड़ एवं घुघरी टाढ पर भी अस्थाई वेंडिंग जोन निर्माण किए जाने का निर्णय लिया गया है। भूसंडा मोड के समीप एवं धनिया बगीचा डेलहा थाना के आगे अस्थाई वेंडिंग जोन बनाने का निर्णय लिया गया है । चांद चौरा के निकट लगने वाले बाजार को नगर निगम के बम पुलिस की भूमि पर शिफ्ट करने का निर्णय लिया गया है। गया नगर निगम क्षेत्र में जाम की समस्या को देखते हुए गया नगर के मुफस्सिल मोड़ से लेकर सिक्स लेन पुल तक नो वेंडिंग जोन जोन ,गेवल बीघा से गांधी मैदान होते हुए जीबी रोड होते हुए नई गोदाम तक नो वेंडिंग जोन घोषित किया गया है। इस बैठक में जिला लीड बैंक प्रबंधक, पुलिस उपाधीक्षक, जिला नियोजन पदाधिकारी, थानाध्यक्ष ट्रैफिक थाना गया, स्वास्थ्य विभाग के प्रतिनिधि ,नगर प्रबंधक, नगर मिशन प्रबंधक एवं गया फुटपाथ विक्रेता संघ के सिटी लेवल फेडरेशन के सदस्य उपस्थित थे।

मऊ की टीम ने समस्तीपुर को हराकर जीता स्व. रामउदगार सिंह स्मृति कप टूर्नामेंट सीजन 3

दैनिक बिहार पत्रिका/रामरूप राय

**समस्तीपुर के मोहिउद्दीननगर प्रखंड स्थित बोचहा दुर्गा मंदिर मैदान में शुक्रवार को स्व. रामउदगार सिंह स्मृति कप क्रिकेट टूर्नामेंट का फाइनल मुकाबला खेला गया। इस रोमांचक मैच में मऊ की टीम ने समस्तीपुर को 12 रनों से हराकर खिताब अपने नाम कर लिया। मैच में टॉस जीतकर समस्तीपुर ने पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। मऊ की टीम ने 16 ओवरों में 8 विकेट खोकर 235 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया। मऊ की ओर से अमन ने 23 गेंदों में 45 रन और बीके राणा ने 12 गेंदों में 37 रन की तेजतर्रार पारी खेली। जवाब में समस्तीपुर की टीम निर्धारित ओवरों में 7 विकेट के नुकसान पर 223 रन ही बना सकी। समस्तीपुर के शेखर ने 56 और दिलीप ने 69 रन बनाए, लेकिन टीम को जीत नहीं दिला सके। टूर्नामेंट कमेटी ने मऊ के हरफनमौला खिलाड़ी अमन को मैन ऑफ द मैच और समस्तीपुर के अदनान को मैन ऑफ द सीरीज के पुरस्कार से सम्मानित किया। इस मुकाबले में अंपायर की भूमिका शम्भू सिंह और मुन्ना सिंह ने निभाई। फाइनल मुकाबले के समापन समारोह में विधायक राजेश कुमार सिंह ने कहा कि राज्य सरकार खेलों के विकास के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है और ग्रामीण क्षेत्रों में खेल गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए मैदानों का निर्माण किया जा रहा है। विजेता टीम को ट्रॉफी विधायक ने और उपविजेता टीम को ट्रॉफी एसडीएम विकास पांडेय ने प्रदान की। इस अवसर पर जदयू नेता धर्मेंद्र साह, पूर्व जिला परिषद सदस्य अरुण कुमार सिंह, पैक्स अध्यक्ष सोनू कुमार सिंह, जनसुराज जिलाध्यक्ष राजकपूर सिंह, राणा विष्णु सिंह, सत्येंद्र सिंह, अनुज सिंह अकेला, मंटू सिंह, भाजपा नेता लालबाबू पासवान समेत कई खेल प्रेमी उपस्थित थे।

बिहार में आज से पश्चिमी विक्षोभ के कारण होगा ठंड का एहसास

पटना । बिहार में 8 फरवरी से हल्की ठंड बढ़ सकती है। मौसम वैज्ञानिक एसके पटेल ने बताया कि अगले 24 घंटे के दौरान राज्य के सभी जिलों का मौसम शुष्क हेगा। तेज उत्तर पश्चिमी हवा सुबह और शाम के समय ठंड का एहसास होगा। न्यूनतम तापमान में गिरावट देखने को मिलेगी। अधिकतम तापमान में बढ़ोतरी जरूर होगी, लेकिन तेज हवा चलने से इसका असर कम दिखेगा। मौसम विभाग के मुताबिक 8 फरवरी को मजबूत पश्चिमी विक्षोभ आएगा। जिसके कारण पर्वतीय इलाकों में बर्फबारी, मैदानी इलाकों में बारिश होने के साथ-साथ सर्द पछुआ हवा चलेगी। इसकारण न्यूनतम तापमान में गिरावट आएगी। हालांकि कोल्ड-डे जैसे हालत नहीं होने वाले है। पश्चिमी विक्षोभ का प्रभाव खत्म होने के बाद मौसम में बदलाव होगा।

बरेली में सामूहिक दुष्कर्म के बाद युवती की हत्या के मामले में छह को उम्र कैद

बरेली । बरेली की एक अदालत ने युवती से सामूहिक दुष्कर्म और उसकी हत्या करने के मामले में छह लोगों को दोषी करार देकर आजीवन कारावास और जुर्माने की सजा सुनाई। अपर जिला शासकीय अधिवक्ता (एडीजीसी) स्वतन्त्र कुमार पाठक ने बताया कि 2001 में एक गांव में निरंजन लाल और भगवान दास के खिलाफ एक किशोरी से छेड़छाड़ का मुकदमा दर्ज हुआ था और मामले में दोनों जेल भी गए थे। मुकदमे की रंजिश को लेकर पांच नवंबर 2008 को निरंजन लाल, भगवान दास और उनके साथी रामेश्वर दयाल, पप्पू, बादल और कुंवर सेन ने पीड़िता से सामूहिक दुष्कर्म कर हत्या कर दी। पाठक ने बताया कि अगले दिन युवती का शव अर्द्धनग्न अवस्था में निरंजन लाल के खेत में मिला था। उन्होंने बताया कि इस मामले में आठ नवंबर 2008 को सभी छह आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया। एडीजीसी ने बताया कि विशेष न्यायाधीश (अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति अदालत) राकेश त्रिपाठी ने दोनों पक्षों को सुनने के बाद सभी आरोपियों निरंजन लाल, भगवान दास और उनके साथियों रामेश्वर दयाल, पप्पू, बादल और कुंवर सेन को दुष्कर्म और हत्या के लिए दोषी करार देते हुए उम्र कैद और 65-65 हजार रुपये जुर्माने की सजा सुनाई।

आरजी कर रेप-मर्डर केस में ममता को झटका, सीबीआई की याचिका स्वीकार

कोलकाता । कलकत्ता हाईकोर्ट ने शुक्रवार को आरजी कर रेप-मर्डर केस से जुड़े मामले में सुनवाई की। सुनवाई के दौरान कोर्ट ने पश्चिम बंगाल सरकार की याचिका खारिज कर सीबीआई की याचिका स्वीकार कर ली। दोनों ने दोषी संजय रॉय को निचली अदालत से मिली आजीवन कारावास की सजा को चुनौती दी थी। दोनों याचिकाओं में संजय के लिए मृत्युदंड की मांग हुई थी। जस्टिस देबांगसु बसाक और एमडी सब्बार रशीदी की बेंच ने बंगाल सरकार से कहा कि राज्य सरकार के पास सजा-ए-मौत देने की मांग का कोई अधिकार नहीं है। कोर्ट ने सीबीआई के पक्ष में फैसला सुनाकर कहा कि वह अभियोजन एजेंसी थी, इसलिए सीबीआई को सजा की अवधि को चुनौती देने का अधिकार है। सियालदह कोर्ट ने संजय रॉय को 20 जनवरी को उम्रकैद की सजा सुनाई थी। 27 जनवरी को हुई सुनवाई कलकत्ता हाईकोर्ट ने फैसला सुरक्षित रख लिया था। 8-9 अगस्त 2024 की रात ट्रेनी डॉक्टर की रेप के बाद हत्या हुई आरजी कर हॉस्पिटल में 8-9 अगस्त की रात ट्रेनी डॉक्टर का रेप-मर्डर हुआ था। 9 अगस्त की सुबह डॉक्टर की लाश सेमिनार हॉल में मिली थी। सीसीटीवी फुटेज के आधार पर पुलिस ने संजय रॉय नाम के सिविक वॉलंटियर को अरेस्ट किया था।

डिजिटल अरेस्ट सिंडिकेट में 5 लोग गिरफ्तार, मुख्य आरोपी चीनी कंपनी से जुड़ा

नई दिल्ली । दिल्ली पुलिस ने डिजिटल अरेस्ट सिंडिकेट में शामिल 5 लोगों को गिरफ्तार किया है। इन सभी ने दिल्ली निवासी आर्मी से रिटायर्ड 81 साल के बुजुर्ग को डिजिटल अरेस्ट किया था। खुद को ईडी अधिकारी बताकर बुजुर्ग से 15 लाख रुपये ठग लिए थे। पीड़ित ने 8 दिसंबर 2024 को नेशनल साइबर क्राइम रिपोर्टिंग पोर्टल (एनसीआरपी) में ठगी की शिकायत की थी। इसके बाद दिल्ली पुलिस की साइबर सेल मामले की जांच में जुटी थी। पुलिस ने 4 आरोपियों इमरान कुरैशी, असद कुरैशी, देव सागर और जावेद को पहाड़गंज इलाके से गिरफ्तार किया। मुख्य आरोपी अभिषेक यादव को मध्य प्रदेश के इंदौर से गिरफ्तार किया। पुलिस के मुताबिक से सभी चीनी कंपनी के लिए काम करते थे। इतना ही नहीं यूपी के झांसी से कंपनी को ऑपरेट कर रहे थे। वहीं से डिजिटल अरेस्ट की घटनाओं के अंजाम दे रहे थे। आरोपियों के पास से 11 स्मार्टफोन, 6 एटीएम, एक लैपटॉप और कई बैंक खातों की चेकबुक जब्त हुई हैं। पुलिस के मुताबिक आरोपियों ने पीड़ित बुजुर्ग को वीडियो कॉल किया। इसके बाद खुद को ईडी का अधिकारी बताया। पीड़ित को कहा कि उसका मनी लॉन्ड्रिंग से जुड़े मामले में नाम आया है। अगर वे गिरफ्तारी से बचना चाहते हैं, तब 15 लाख रुपए दें। इसके बाद पीड़ित से 15 लाख रुपए दे दिए। पुलिस ने बताया कि शिकायत के बाद मामले की जांच में सामने आया था कि सिंडिकेट झांसी से संचालित हो रहा है। आरोपियों ने अनजान लोगों के नाम पर कई सारे बैंक अकाउंट खोल रखे थे। इन्हीं में ठगी की रकम ट्रांसफर कराते थे। मुख्य आरोपी अभिषेक यादव टेलीग्राफ एप के द्वारा चीनी कंपनी के संपर्क में था।

अंतर धार्मिक विवाह गैर कानूनी नहीं : हाईकोर्ट

ग्वालियर। मध्य प्रदेश हाईकोर्ट की ग्वालियर खंडपीठ ने शिवपुरी के पुलिस अधीक्षक को निर्देश दिया है। पुलिस ने याचिकाकर्ता से संपर्क करे। यदि उन्होंने स्पेशल मैरिज एक्ट में पंजीयन करने की मनसा जताई है। ऐसी स्थिति में उन्हें पर्याप्त पुलिस सुरक्षा उपलब्ध कराई जाए। दोनों के प्रारंभिक जांच के लिए बयान लिए जाएं। हाईकोर्ट ने अपने निर्णय में स्पष्ट रूप से कहा है मुस्लिम युवती और हिंदू युवक ने जो याचिका दायर की है। उसके अनुसार वह एक दूसरे से प्रेम करते हैं। दोनों ही बालिग हैं। दोनों के धर्म अलग है। इसलिए उनके परिजन मैरिज का विरोध कर रहे हैं।

अमेरिका से और निकाले जाएंगे 487 अवैध भारतीय प्रवासी, केंद्र ने दी जानकारी

नईदिल्ली (एजेंसी)। भारत के विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने कहा कि संयुक्त राज्य अमेरिका ने भारत को 487 कथित भारतीय नागरिकों के बारे में सूचित किया है जिन्हें निष्कासन आदेश जारी किए गए हैं। मिस्री के अनुसार, इन व्यक्तियों को कथित तौर पर अमेरिका से संभावित निर्वासन का सामना करना पड़ रहा है। विदेश सचिव ने एक प्रेस वार्ता के दौरान यह जानकारी दी और आश्वासन दिया कि भारत सरकार अवैध अप्रवासी पाए गए भारतीयों की सुरक्षित वापसी की सुविधा के लिए ट्रम्प प्रशासन के संपर्क में है। मिस्री ने कहा कि भारत सरकार स्थिति पर करीब से नजर रख रही है और इन व्यक्तियों से संबंधित मुद्दों को हल करने के लिए अमेरिकी अधिकारियों के साथ काम कर रही है।

अमेरिका से अवैध भारतीय अप्रवासियों के निर्वासन पर मिस्री ने कहा कि ईएएम द्वारा प्रतिबंधों के उपयोग से संबंधित मानक संचालन प्रक्रिया का विवरण, जो आव्रजन और सीमा शुल्क प्रवर्तन सहित अमेरिकी अधिकारियों द्वारा हमें सूचित किया गया है। विदेश मंत्री ने इस तथ्य की ओर ध्यान आकर्षित किया कि ये लंबे समय से चलन में हैं। निर्वासित लोगों के साथ दुर्व्यवहार के आरोपों के बारे में मिस्री ने इसे वैध चिंता बताते हुए कहा कि भारत सरकार अमेरिकी अधिकारियों के साथ इस मुद्दे को उठाएगी। हम अपने ध्यान में आने वाले दुर्व्यवहार के किसी भी मामले को उठाना जारी रखेंगे। अवैध आप्रवासन को बढ़ावा देने वाले अंतर्निहित पारिस्थितिकी तंत्र के खिलाफ पूरे सिस्टम में कार्रवाई करने की आवश्यकता है।

इस बीच, नई दिल्ली में विदेश मंत्रालय ने शुक्रवार को घोषणा की कि भारतीय प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी अगले सप्ताह संयुक्त राज्य अमेरिका की यात्रा के दौरान राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प से मुलाकात करेंगे। भारत के शीर्ष कैरियर राजनयिक विक्रम मिस्री ने संवाददाताओं से कहा कि मोदी, जो 12-13 फरवरी तक वाशिंगटन का दौरा करेंगे। राष्ट्रपति ट्रम्प के उद्घाटन के बाद संयुक्त राज्य अमेरिका का दौरा करने वाले पहले कुछ विश्व नेताओं में से होंगे।

उत्तराखंड विधानसभा का बजट सत्र आगामी 18 फरवरी से, अधिसूचना जारी

देहरादून । उत्तराखड़ प्रदेश की पांचवीं विधानसभा का इस वर्ष का पहला सत्र 18 फरवरी से देहरादून में होगा। राज्यपाल की स्वीकृति के बाद विधानसभा ने इस संबंध में अधिसूचना जारी की। इस सत्र में प्रदेश सरकार वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए बजट पेश करेगी। सत्र के पहले दिन राज्यपाल का अभिभाषण होगा। मोदी सरकार का नया बजट आने के बाद यह तय हो गया था कि प्रदेश सरकार इसी माह बजट सत्र बुलाएगी। इस माह 22 फरवरी से पहले विधानसभा सत्र बुलाना धामी सरकार के लिए बाध्यकारी है। इसके पहले विधानसभा सत्र की अंतिम कार्यवाही 23 अगस्त, 2024 को हुई थी। एक सत्र के बाद छह माह के भीतर दूसरा सत्र बुलाना जरुरी है। नए वर्ष 2025 में पांचवीं विधानसभा का यह पहला सत्र है। विधानसभा के उप सचिव हेम चंद्र पंत ने बताया कि सत्र 18 फरवरी को सुबह 11 बजे से आरंभ होगा। सत्र के पहले दिन राज्यपाल अपना अभिभाषण देने वाले है। अभिभाषण में धामी सरकार की उपलब्धियों और नई पहल पर विशेष जोर रह सकता है। वित्त मंत्री प्रेमचंद अग्रवाल ने गत दिवस विधानसभा का बजट सत्र 24 फरवरी तक चलने के संकेत दे चुके हैं। यद्यपि, इस बारे में अंतिम निर्णय कार्यमंत्रणा समिति में लिया जाएगा। सूत्रों के अनुसार राज्यपाल के अभिभाषण के बाद 19 फरवरी को बजट पेश किया जा सकता है। इस संबंध में अभी अंतिम निर्णय होना बाकी है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी कह चुके हैं कि नया बजट सर्वसमावेशी होगा।

देवगौड़ा का दावा- एनडीए के उपाध्यक्ष बनना चाहते थे चंद्रबाबू

-बीजेपी अध्यक्ष ने किया दावे को खारिज, कहा-ऐसी कोई चर्चा नहीं हुई

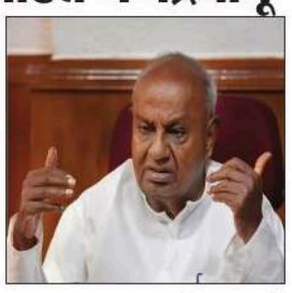

नई दिल्ली (एजेंसी)। पूर्व पीएम और जेडीएस अध्यक्ष एचडी देवगौड़ा ने दावा किया कि आंध्र प्रदेश के सीएम एन चंद्रबाबू नायडू 2024 के लोकसभा चुनावों के बाद एनडीए के उपाध्यक्ष बनना चाहते थे, लेकिन पीएम मोदी ने उनका यह प्रस्ताव ठुकरा दिया। देवगौड़ा ने यह दावा राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए कहा।

उन्होंने कहा कि 2024 में जब नरेंद्र मोदी को 240 सीटें मिलीं तब चंद्रबाबू नायडू और उनके सांसद एनडीए के सभी दलों द्वारा बनाई गई समिति के उपाध्यक्ष या अध्यक्ष बनना चाहते थे, लेकिन मोदी ने कहा कि ऐसा कुछ नहीं होगा। उन्हें प्रशासन चलाने का अनुभव है, वे देश को बिना किसी उथल-पुथल के चला सकते हैं और वे देश के एकमात्र सबसे बड़े नेता हैं जो इसका नेतृत्व कर सकते हैं।

देवगौड़ा के इस बयान के बाद राज्यसभा अध्यक्ष जगदीप धनखड़ ने बीजेपी अध्यक्ष जेपी नड्डा को इस मुद्दे पर संक्षिप्त बयान देने को कहा। नड्डा ने देवगौड़ा के दावे को खारिज करते हुए कहा कि देवगौड़ा जो एनडीए के साझेदार हैं और पूर्व पीएम भी हैं उन्होंने पीएम मोदी द्वारा नेतृत्व किए गए सरकार के बारे में एक मुद्दा उठाया है। मैं पार्टी के अध्यक्ष के रूप में इस मामले को साफ कर देना चाहता हूं। एनडीए में ऐसी कोई चर्चा नहीं हुई थी और सभी ने पीएम मोदी के नेतृत्व में अपनी ताकत लगाने का फैसला किया है। बता दें जेडी (एस) एनडीए का हिस्सा है, जिसके लोकसभा में दो सांसद हैं। देवगौड़ा के बेटे एचडी कुमारस्वामी केंद्रीय भारी उद्योग और इस्पात मंत्री हैं।

रोहिंग्याओं, बांग्लादेशियों को ट्रंप स्टाइल में बाहर भेजो, उद्धव गुट ने पोस्टर लेकर किया प्रदर्शन

प्रयागराज (एजेंसी)। शिवसेना (यूबीटी) ने केंद्र से आग्रह किया कि वह अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन से प्रेरणा ले और इसी तरह अवैध बांग्लादेशियों और रोहिंग्या प्रवासियों को देश से निर्वासित करे। जम्मू में पार्टी की जम्मू-कश्मीर इकाई के प्रमुख मनीष साहनी के नेतृत्व में एक प्रदर्शन में, उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली पार्टी ने केंद्र से इसी तरह की प्रक्रिया शुरू करने के लिए कहा कि केंद्र शासित प्रदेश में अवैध प्रवासियों को निर्वासित करने पर विशेष जोर दिया जाए। पार्टी ने केंद्र से बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना को निर्वासित करने की भी मांग की। प्रदर्शनकारियों ने शेख हसीना, सीमा हैदर को वापस भेजो और अवैध रोहिंग्याओं, बांग्लादेशियों को निर्वासित करो जैसे नारे लिखी तख्तियां ले रखी थीं।

भारत सरकार को डोनाल्ड ट्रम्प प्रशासन से सीख लेनी चाहिए और पाकिस्तानी महिला सीमा हैदर और पूर्व बांग्लादेशी राष्ट्रपति शेख हसीना सहित सभी अवैध बांग्लादेशियों और रोहिंग्या अप्रवासियों को तुरंत निर्वासित करना चाहिए। जबकि भारत शेख हसीना को शरण देता है, हिंदू समुदाय को इसका खामियाजा भुगतना पड़ता है। इस बीच, दो साल पहले अपने चार बच्चों के साथ अवैध रूप से भारत में प्रवेश करने वाली पाकिस्तानी महिला सीमा हैदर आज अपने पांचवें बच्चे की उम्मीद कर रही है। इसके विपरीत अमेरिका भारतीयों को जंजीरों में जकड़ कर निर्वासित कर रहा है।

सेना (यूबीटी) नेता ने पड़ोसी देश में हिंदू अल्पसंख्यकों और मंदिरों पर हमलों पर प्रकाश डाला और प्रतिशोध के रूप में कठोर निर्वासन की मांग की। सहनी ने जोर देकर कहा कि मंदिर में सरस्वती देवी की मूर्ति को अपवित्र किया गया। नेतृत्व परिवर्तन के बाद से हिंदुओं पर हमले लगातार जारी हैं। हमें सभी बांग्लादेशियों को देश से बाहर निकालना चाहिए।

दिल्ली चुनाव: एग्जिट पोल आंकड़ों से बीजेपी गदगद, आप को यकीन नहीं

-8 फरवरी को आने वाले परिणामों पर है सबकी नजर

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली विधानसभा चुनाव संपन्न हो चुके हैं और अब सबको परिणाम का इंतजार है। नतीजों से पहले एग्जिट पोल के आंकड़े सबकी धड़कन बढ़ा रहे हैं। एग्जिट पोल ने दिल्ली में हार-जीत की भविष्यवाणी की है। दिल्ली चुनाव के बाद गुरुवार को दो और एग्जिट पोल के आंकड़े सामने आए। एक्सिस माई इंडिया और टुडेज चाणक्य ने भी दिल्ली में बीजेपी की जीत की भविष्यवाणी की है। वहीं अरविंद केजरीवाल की आम आदमी पार्टी को दूसरे नंबर पर दिखाया है। बहरहाल आप को इन एग्जिट पोल के आंकड़ों पर यकीन नहीं है। उनका कहना है कि इन पोल एजेंसियों ने उनके प्रदर्शन को कम करके आंका है।

अब तक जितने भी एग्जिट पोल आए हैं, उनमें से ज्यादातर बीजेपी के पक्ष में दिख रहे हैं। ज्यादातर एग्जिट पोल ने दिल्ली में अबकी बार बीजेपी की सरकार की भविष्यवाणी की है। अगर एग्जिट पोल के आंकड़े सही निकलते हैं तो इसका मतलब है कि बीजेपी का 27 साल का सूखा खत्म हो सकता है। हालांकि, कई बार एग्जिट पोल गलत साबित होते हैं। अब ये एग्जिट पोल कितने सही साबित होंगे, यह कल यानी 8 फरवरी को पता चल जाएगा। उससे पहले 2013, 2015 और 2020 के एग्जिट पोल से समझते हैं कि क्या सच में इस बार दिल्ली में सत्ता परिवर्तन हो सकता है।

2013 के विधानसभा चुनाव में चार एग्जिट पोल के औसत में बीजेपी को मजबूत स्थिति में दिखाया गया था। इन एग्जिट पोल में बीजेपी को 35 सीटें मिलने की भविष्यवाणी की गई थी। दिल्ली में कुल सीटों की संख्या 70 है और बहुमत के लिए 36 सीटों की जरूरत होती है। चारों एग्जिट पोल के औसत की मानें तो 'आप' और कांग्रेस दोनों को 17-17 सीटें मिलने का अनुमान था लेकिन जब नतीजे आए तो सभी चौंक गए। फाइनल नतीजों में बीजेपी ने 32 सीटें जीतीं, 'आप' को 28 और कांग्रेस को 8 सीटें मिलीं। उस वक्त ज्यादातर एग्जिट पोल ने 'आप' के उदय को काफी कम करके आंका था।

साल 2015 में छह एग्जिट पोल ने 'आप' की पूर्ण जीत की भविष्यवाणी की थी। कोई भी उसकी जीत की सीमा का अंदाजा नहीं लगा सका। इन पोल के औसत अनुमान के मुताबिक 'आप' 67 सीटें, बीजेपी 24 और कांग्रेस केवल एक सीट जीतेगी। जब रिजल्ट आया तो 'आप' ने 67 सीटें जीतीं, जबकि बीजेपी केवल तीन सीटें जीत पाई।

'एक्सिस मॉय इंडिया' का अनुमान है कि दिल्ली की 70 सदस्यीय विधानसभा में बीजेपी को 45-55 सीट मिल सकती हैं। आप को 15-25 सीट से ही संतोष करना पड़ सकता है। उसका कहना है कि कांग्रेस को अधिकतम एक सीट मिल सकती है।

दिल्ली में केजरीवाल चुनाव नहीं जीतेंगे, वह दोबारा जाएंगे जेल

-सेल्वन का दावा, कहा-पूर्ण बहुमत से बनाएगी दिल्ली में बीजेपी सरकार

मुंबई (एजेंसी)। दिल्ली विधानसभा मतदान संपन्न होने के बाद आए एग्जिट पोल के रुझानों के बाद महाराष्ट्र के बीजेपी नेता आर तमिल सेल्वन ने अरविंद केजरीवाल को लेकर बड़ा दावा किया है उन्होंने कहा कि केजरीवाल चुनाव नहीं जीतेंगे और वह दोबारा जेल जाएंगे।

सेल्वन ने कहा कि सभी एग्जिट पोल बता रहे हैं कि अरविंद केजरीवाल चुनाव हार रहे हैं, क्योंकि उन्होंने झूठे वादे कर दो बार तो चुनाव जीता, लेकिन इस बार उन्हें हार का सामना करना पड़ेगा और वह फिर से जेल जाएंगे। बीजेपी दिल्ली में पूर्ण बहुमत से सरकार बनाएगी। एग्जिट पोल में कांग्रेस के कमजोर नजर आने पर उन्होंने कहा कि कांग्रेस सिर्फ दिल्ली में ही नहीं, पूरे देश से खत्म हो रही है। हरियाणा के विधानसभा चुनाव में हार मिली। महाराष्ट्र में बीजेपी ने 132 सीटों पर जीत हासिल की। यहां कांग्रेस को बुरी तरह से हार का सामना करना पड़ा। धीरे-धीरे हर राज्य कांग्रेस मुक्त हो रहा है।

उन्होंने कहा कि आने वाले समय में कांग्रेस एक-दो प्रदेशों में ही रह जाएगी। फिर सोनिया गांधी वापस इटली जाएंगी। राहुल गांधी किधर जाएंगे पता नहीं। उन्होंने कहा कि एक कारण यह भी है कि 2014 में पीएम मोदी के आने के बाद लोगों के विकास के लिए योजनाएं लाई गईं जिसमें आयुष्मान योजना, आवास योजना। बीजेपी ने 10 साल में वह कार्य किए हैं, जो कांग्रेस 60 साल में भी नहीं कर पाई। इसलिए बीजेपी पर जनता का विश्वास बढ़ा है। तिरुपति बालाजी मंदिर में गैर-हिंदुओं की सेवा समाप्त करने पर सेल्वन ने कहा कि तिरुपति देवस्थानम बोर्ड का कहना है कि किसी भी धर्म का कोई भी व्यक्ति बालाजी मंदिर में दर्शन के लिए आ सकता है। हालांकि उन्हें देवस्थानम के नियम और कानून के बारे में पूछना चाहिए कि क्या गैर-हिंदू उनकी समिति में हो सकते हैं। हिन्दुओं की एकजुटता पर आरएसएस प्रमुख के बयान पर सेल्वन ने कहा कि मोहन भागवत ने सही कहा है और इस मामले में पीएम मोदी ने भी एक हैं तो सुरक्षित हैं का उल्लेख किया है।

विदेशों में सुरक्षा के साथ सुरक्षित रोजगार पर कानून बनाने जा रही सरकार

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र की मोदी सरकार भारतीयों को रोजगार मुहैया कराने के अलग अलग तरह से प्रयास कर रही है। इसी कड़ी में अब विदेशों में सुरक्षित रोजगार पर कानून बनाने पर विचार चल रहा है। विदेश मामलों की संसदीय स्थायी समिति की एक रिपोर्ट में यह कहा गया है कि केंद्र सरकार विदेशों में सुरक्षित रोजगार के लिए एक नया कानून बनाने पर गंभीरता से विचार कर रही है। जो विदेशों में रोजगार के लिए सुरक्षित, व्यवस्थित और नियमित प्रवासन को बढ़ावा देगा। वर्तमान में देश में वर्ष 1983 का प्रवासन अधिनियम लागू है। जिसे प्रवासी महासंरक्षक (विदेश मंत्रालय) के माध्यम से प्रशासित किया जाता है। अब इस अधिनियम को मंत्रालय द्वारा प्रस्तावित विदेशी गतिशीलता (सुविधा और कल्याण) विधेयक 2024 से बदलने की कोशिश की जा रही है। यहां बता दें कि विदेश मंत्रालय की इस संसदीय समिति की अध्यक्षता कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और केरल से सांसद शशि थरूर कर रहे हैं। इसकी रिपोर्ट 6 फरवरी को संसद में पेश की गई है।

अमेरिका से भारत लौटे 104 लोगों के साथ किए गए दुर्व्यवहार के मामले के तूल पकड़ने के बाद ये नई और महत्वपूर्ण जानकारी सामने आई है। विदेश मंत्रालय ने समिति को कहा कि कानून के प्रस्तावित मसौदे पर संबंधित मंत्रालयों के साथ विचार-विमर्श जारी है। इसके बाद इसे आमजन से मंत्रणा के लिए साझा किया जाएगा। वहीं, समिति नए बिल के महत्वपूर्ण बिंदुओं पर चर्चा के साथ ही संशोधित कानून को समयबद्ध रूप से लगभग एक वर्ष की अवधि में ही क्रियान्वित किए जाने के पक्ष में है। आंतरिक विमर्श के बाद मसौदे को 15 से 30 दिन के लिए सार्वजनिक विमर्श के लिए रखा जाएगा। इसके बाद अंतर मंत्रालयी चर्चा के साथ मसौदे को सरकार की मंजूरी दिलाने के लिए कैबिनेट नोट तैयार किया जाएगा।

समिति ने रिपोर्ट में यह इच्छा जताई है कि जिन राज्यों में वर्तमान में प्रवासियों के लिए संरक्षक कार्यालय नहीं हैं। वहां पर इन्हें स्थापित किया जाना चाहिए। इसके अलावा पंजाब, उत्तर प्रदेश जैसे राज्यों में प्रवासन हॉटस्पॉट बनाने चाहिए। जिससे प्रवासियों को बेहतर सहयोग प्रदान किया जा सकेगा। प्रवासन संबंधी परंपरागत वैश्विक जटिलताओं और भारतीय नागरिकों की आवश्यकताओं के मद्देनजर समिति ने बीते कई वर्षों में 1983 के पुराने कानून की जगह पर एक व्यापक कानून के जरिए वैधानिक बदलाव पर जोर दिया है। समिति की रिपोर्ट में यह दावा किया गया है कि विदेश मंत्रालय ने काफी देरी से नए कानून पर विचार किया है।

मंत्रालय ने समिति को यह भी सूचित किया कि देश में प्रोटेक्टर जनरल ऑफ इमीग्रेंट्स (पीजीई) सभी प्रवासी संरक्षक कार्यालयों (पीजीई) की कार्यप्रणाली का संचालन करते हैं। वर्तमान में मुंबई, चेन्नई, दिल्ली, कोलकाता, चंडीगढ़, हैदराबाद, कोचीन, तिरूवनंतपुरम, जयपुर, पटना, रायबरेली, गुवाहाटी, रांची, रायबरेली, बेंगलुरु में 14 जगहों पर यह पीओई कार्यालय हैं। इसके अलावा मंत्रालय ने

पटना, बेंगलुरु और गोवाहाओ में इनके कुछ अतिरिक्ति कार्यालय भी खोले हैं। जो पूरी तरह से काम कर रहे हैं। जबकि त्रिपुरा, भुवनेश्वर और अहमदाबाद में पीओई के अतिरिक्त कार्यालय खोलने की योजना है। समिति ने अपनी रिपोर्ट में मंत्रालय को यह सिफारिश की है कि सुरक्षित प्रवासन को लेकर जागरूकता फैलाने को लेकर उसे स्थानीय गैर सरकारी संगठनों, समूहों से भी सहयोग लेना चाहिए। मीडिया के माध्यम से संबंधित क्षेत्र में इस बाबत लोगों तक समुची जानकारी पहुंचाई जानी चाहिए। जिसमें प्रवासियों को उनके अधिकार, प्रक्रिया और अवैध प्रवासन से जुड़े जोखिम के बारे में बताया जाना चाहिए।

महाकुंभ : लाख कोशिशों के बावजूद सर चढ़कर बोली गंगा यमुनी तहजीब

निर्मल रानी

इस बार के महाकुंभ का जितना राजनैतिक दुरूपयोग करने की कोशिश की गयी और सनातन रक्षा के नाम पर धर्म विशेष को डराने धमकाने व इसी की आड़ में सत्ता में बने रहने के लिये अपने वोट बैंक को मजबूत करने का जो दुष्प्रयास किया गया उसे किसी धार्मिक आयोजन के नजरिये से कैसे देखा जा सकता है ?

सन् 2025 का बहुप्रतीक्षित महाकुंभ समापन की ओर है। 26 फरवरी अर्थात महाशिवरात्रि को अंतिम शाही स्नान के साथ ही कुंभ मेले का समापन हो जायेगा। इस बार का महाकुंभ कई बातों को लेकर पूर्व में आयोजित हो चुके कुंभ,अर्द्धकुंभ अथवा महाकुंभों से अलग था। इस बार के विशाल आयोजन को हाई टेक बनाने की जैसी कोशिश इस बार हुई वह पहले कभी देखी नहीं गयी। संगम तट के किनारे अति विशिष्ट व्यक्तियों के लिये टैंट के वी आई पी नगर बसाये गए। इनमें महाराज टेंट सिटी में एक कमरे का एक दिन का किराया औसतन रू.30000 था जबकि डोम सिटी में किराया 1 लख रुपए के आसपास था। करीब 3000 स्पेशल ट्रेन और बड़े शहरों से विमान उड़ानों की सुविधा रखी गयी। इतने बड़े आयोजन में छोटे बड़े हादसों की संभावना भी बनी रहती है। महाकुंभ 2025 भी इससे अछूता नहीं रहा। सुरक्षा के तमाम प्रयासों के बावजूद कुंभ मेले में अग्निकांड व भगदड़ जैसी संभावित घटनाओं को आखिरकार नहीं टाला जा सका।

परन्तु बड़े ही दुःख का विषय है कि इस बार का महाकुंभ जहाँ सत्ता के गुणगान व पी आर पर केंद्रित रहा वहीँ इस बार इसमें भाग ले रहे अनेक प्रमुख लोगों ने इस पवित्र आयोजन को साम्प्रदायिकता फैलाने व समाज में जहर बोने का माध्यम बनाने की भी कोशिश की। खासतौर पर इस आयोजन के एक वर्ष पूर्व से ही कुछ नये नवेले विवादित कथावाचकों द्वारा कुछ स्वयंभू संतों के साथ यह राग छेड़ा गया कि कुंभ आयोजन में मुसलमानों का व्यवसाय करना प्रतिबंधित हो। कई लोगों ने तो मुसलमानों के मेला क्षेत्र में प्रवेश वर्जित करने तक की बात की। परन्तु सूर्यकांत त्रिपाठी निराला,मोतीलाल,जवाहरलाल नेहरू,अकबर इलाहाबादी, हरिवंश राय बच्चन, सुभद्रा कुमारी चौहान, सुमित्रानंदन पंत, हरिप्रसाद चौरसिया,फिराक गोरखपुरी व महादेवी वर्मा जैसी अनेक महान हस्तियों की जन्म व कर्मस्थली रही इस संगम नगरी को शायद यह हरगिज गवारा नहीं था कि दुनिया को प्रेम सद्भाव व साम्प्रदायिक एकता का पाठ पढ़ाने वाले तथा देश की गंगा यमुनी तहजीब का केंद्र समझे जाने वाले इस

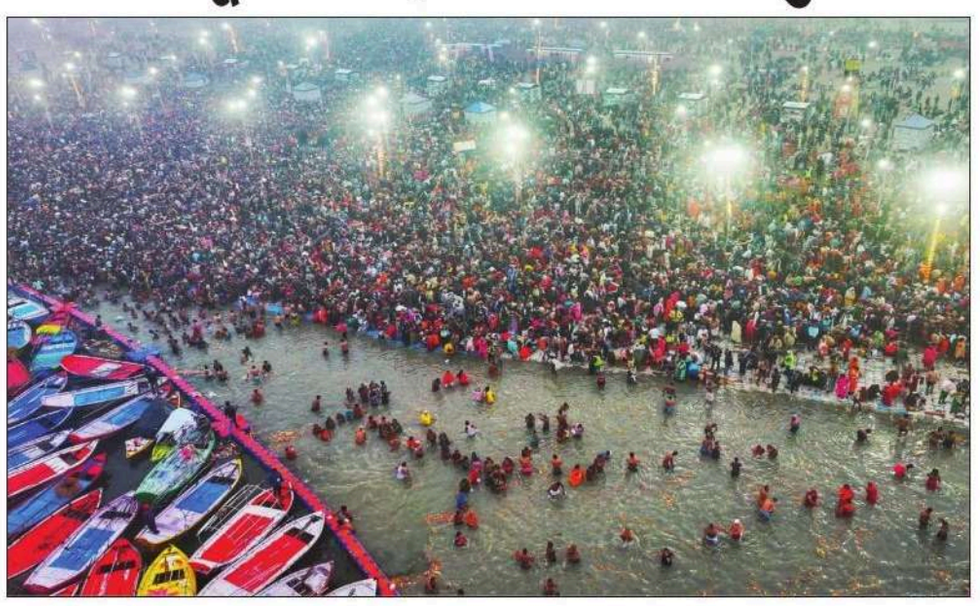

पवित्र प्रयागराज नगरी से साम्प्रदायिक दुर्भावना नफरत या वैमनस्य का कोई सन्देश जाये।

महाकुंभ के दौरान सत्ता संरक्षित इन साम्प्रदायिकता वादियों ने देश की एकता व सद्भाव को छिन्न भिन्न करने के लिये क्या कुछ नहीं किया? देश के अनेकानेक अतिवादी नेताओं व प्रवचन कताओं ने अपने भाषणों में जमकर धर्म विशेष के विरुद्ध विषवमन किया। हद तो यह है कि इस मेले में धारदार व नुकीले हथियार तक मुफ़्त बांटे गये। मीडिया व सोशल मीडिया पर तथा सत्ता के आई टी सेल द्वारा ऐसे नफरती क्लिप्स को जमकर प्रसारित किया गया। प्रयाग का मुसलमान भी बाहर से आने वाले नफरती चिंटुओं के नफरती भाषणों को सुनता व सहन करता रहा। परन्तु जब इसी महाकुंभ में 28 जनवरी की देर रात्रि लगभग डेढ़ बजे भगदड़ मची और उसके कुछ देर बाद कथित तौर पर संगम तट पर ही दूसरी जगह भगदड़ मची उसके पश्चात इलाहाबाद शहर ने जो भयावह दृश्य देखे वह कुंभ के इतिहास में पहले कभी नहीं देखे गये। देश से आये करोड़ों श्रद्धालु जब अनजान शहर की गलियों में व सड़कों पर असहाय अवस्था में भयंकर सर्द रात में भगदड़ की दहशत से परेशान होकर अपनी जान बचाने के लिये पनाह मांगते फिर रहे थे।जब वे भूख प्यास से तड़प रहे थे ,अपनी इज्जत आबरू जान माल बचाने की कोशिश में इधर उधर भटक रहे थे। उस समय यही विश्वविख्यात महाकुंभ साम्प्रदायिक एकता व सद्भाव का अपना अलग इतिहास लिख रहा था।

उस संकटकालीन दौर में सरकार की कोशिश थी कि मृतकों की संख्या को कम से कम कर बताया जाये। भगदड़ के शुरूआती घंटों की सरकारी कवायद इसी प्रबंधन में व्यस्त रही। जबकि सरकारी तोते रुपी प्रवचनकर्ता यह कहते सुने गये कि भगदड़ में गंगा किनारे मरने वालों को मोक्ष प्राप्त हो गया। परन्तु उसी समय इलाहाबाद के मुसलमानों ने धरातल पर उतारकर वह कर दिखाया जिससे नफरत के सौदागरों की सारी कोशिशों पर पानी फिर गया। इलाहाबाद के भगदड़ प्रभावित क्षेत्र की सभी मस्जिदें,जामा मस्जिदें,इमामबाड़े,दरगाहें व मदरसे तथा यादगार ए हुसैनी जैसे कई मुस्लिम शैक्षणिक संस्थानों के दरवाजे पूरी तरह खोल दिए गये। हजारों स्थानीय मुसलमानों ने परदेसी श्रद्धालुओं को अपने अपने घरों में पनाह दी। उन्हें नाश्ता,भोजन,गर्म कपड़ा,कंबल, दवाई आदि सब कुछ उपलब्ध कराया। सैकड़ों जगहों पर मुसलमानों द्वारा सार्वजनिक लंगर लगाये गए। और लगभग एक सप्ताह तक देश भर के परेशान हाल श्रद्धालुओं की कुंभ नगरी के स्थानीय मुसलमानों द्वारा दिल खोलकर मेहमाननवाजी की गयी। इसी तरह गत दिसंबर में जब श्रीनगर-सोनमर्ग राजमार्ग में भारी बर्फबारी के कारण हजारों पर्यटक कश्मीर घाटी में फँस गए थे उस समय भी कश्मीर के मुसलमानों ने मस्जिदों व मदरसों के दरवाजे खोल दिए थे । उन्हें अपने घरों में पनाह देकर खाना गर्म पानी आदि सब कुछ मुहैय्या कराया था। देश में ऐसे और भी हजारों उदाहरण हैं जो हमारी सांझी तहजीब व संस्कृति का सुबूत पेश करते हैं।

इस बार के महाकुंभ का जितना राजनैतिक दुरूपयोग करने की कोशिश की गयी और सनातन रक्षा के नाम पर धर्म विशेष को डराने धमकाने व इसी की आड़ में सत्ता में बने रहने के लिये अपने वोट बैंक को मजबूत करने का जो दुष्प्रयास किया गया उसे किसी धार्मिक आयोजन के नजरिये से कैसे देखा जा सकता है ? परन्तु स्थानीय मुसलमानों ने सेवा सहयोग भाईचारा व सद्भाव की जो मिसाल पेश की है दरअसल वही साधु संतों फकीरों व औलियाओं का धर्म है। वही धर्म नानक खुसरो चिश्ती फरीद बुल्लेशाह व निजाम जैसे फकीरों का धर्म है और वही रसखान,जायसी रहीम व कबीर का भी । वीर शिवाजी से लेकर अकबर तक के अनेक मानवतावादी शासकों की धर्मनिरपेक्ष शासन व्यवस्था ही असली भारतीय धर्म है। न कि धर्म व सम्प्रदाय के आधार पर नफरत बहिष्कार भय व नफरत का प्रसार। महाकुंभ के इतिहास में प्रयागराज का महाकुंभ 2025 हमेशा इसलिये भी याद रखा जायेगा कि नफरत फैलाने की लाख कोशिशों के बावजूद प्रयागराज में गंगा यमुनी तहजीब सर चढ़कर बोलती दिखाई दी।

संपादकीय

कड़ी चुनौती

बजट में सरकार ने कृत्रिम मेधा यानी एआई के लिए पांच सौ करोड़.रुपये का प्रावधान करने का ऐलान भले ही कर दिया परंतु वह अपने ही कर्मचारियों को एआई के प्रयोग से रोक रही है। वित्त मंत्रालय ने अपने अधिकारियों को दफ्तर के कंप्यूटर व अन्य उपकरणों में चैटजीपीड़ी व ड़ीपसीक जैसे एआई टूल व एप ड़ाउनलोड़ न करने का निर्देश दिया है। सरकारी डेटा व दस्तावेजों की गोपनीयता से जुड़े.जोखिम को ध्यान रखते हुए यह कदम उठाया गया बताया जा रहा है। यह कदम ऐसे समय उठाया गया है, जब ऑस्ट्रेलिया व इटली जैसे देश गोपनीयता व सुरक्षा के कारण अपने आधिकारिक सिस्टम को चीनी एआई कंपनी ड़ीपसीक से संरक्षित करने की घोषणा की है। हालांकि इस दरम्यान ओपनएआई के संस्थापक व सीईओ भारत पहुंच रहे हैं। वे सरकारी अधिकारियों व उद्योगपतियों से मिलेंगे। हो सकता है, इस तरह की आशंकाओं का समाधान करने के प्रति वे सुझाव दें या इस मसले का हल निकालने के प्रति आश्वासन दें। ड़ीपसीक के किफायती टूल के दुनिया भर में प्रचलित होते ही इन्हें पहले ही तगड़ा झटका लग चुका है। हालांकि पूरी दुनिया भर के विशेषज्ञ अभी एआई के लाभों व नुकसान को लेकर आकलन करने में जुटे हुए हैं। इसकी गति, दक्षता, उपलब्धता, बेहतर निर्णय लेने की क्षमता, ज्ञान व तत्काल निर्णय लेने की क्षमता बेहतरीन है। अंदेशा व्यक्त किया जा रहा है कि एआई मनुष्यों की प्रतिभा, क्षमता, निर्णयों, उत्पादकता व रचनात्मकता को बुरी तरह प्रभावित कर सकता है। गूगल, जी-मेल, मोबाइल फोन, व्हाटसएप जैसी टेक्नोलॉजी के प्रयोग पर सख्ती करना लाजमी नहीं रहा। इन सबसे भी गोपनीयता को खतरा हो सकता है। जब अतिसंवेदनशील व गोपनीय सूचनाएं कागजों तक सीमित थीं, तब भी उन्हें चुराने या नकल की हेरा-फेरी करने वाले अपनी मंशा में सफल हुआ करते थे। कुछ समय पहले ड़ॉर्क बेव पर अस्सी करोड़. भारतीयों की निजी जानकारी चुराने के आरोप लगे थे। सतर्कता बेहद जरूरी है मगर हम अपनी ऐसी कोई व्यवस्था बनाने के प्रति अब तक सफल नहीं हैं, जो देसी हो और जिसका सारा प्रभुत्व हमारे हाथ हो। एआई का दायरा जिस तेजी से प्रसारित हो रहा है, उसके प्रचलित होने पर पाबंदी लगाना बेहद मुश्किल हो सकता है। यह तकनीकी चुनौती है, जिससे जीत पाना नामुमकिन है।

चिंतन-मनन

राष्ट्रीय एकता में बाधक तत्व

आर्थिक और सामाजिक असमानता राष्ट्रीय एकता में बहुत बड़ी बाधा है। उस असमानता का मूल है अहं और स्वार्थ। इसलिए राष्ट्र की भावात्मक एकता के लिए अहं-विसर्जन और स्वार्थ-विसर्जन को मैं बहुत महत्व देता हूं। जातीय असमानता भी राष्ट्रीय एकता का बहुत बड़ा विघ्न है। उसका भी मूल कारण अहं ही है। दूसरों से अपने को बड़ा मानने में अहं पुष्ट होता है और आदमी अपने-आप में संतोष का अनुभव करता है। अहं का विसर्जन किए बिना जातीय भेद का अंत नहीं हो सकता। मनुष्य जन्मना मनुष्य का शत्रु नहीं है। एक पेड़ की दो शाखाएं परस्पर विरोधी कैसे हो सकती हैं? फिर भी यह कहा जाता है कि धर्म-संप्रदाय मनुष्यों में मैत्री स्थापित करने के लिए प्रचलित हुए हैं। उनमें जन्मना शत्रुता नहीं है, फिर मैत्री स्थापित करने की क्या आवश्यकता हुई? मैं फिर इस विश्वास को दोहराना चाहता हूं कि मनुष्य-मनुष्य में स्वभावतः शत्रुता नहीं है।

वह निहित स्वार्थ वाले लोगों द्वारा उत्पन्न की जाती है। उसे मिटाने का काम धर्म-संप्रदाय ने प्रारंभ किया, किंतु आगे चलकर वे स्वयं निहित स्वार्थ वाले लोगों से घिर गए और मनुष्य को मनुष्य का शत्रु मानने के सिद्धांत की पुष्टि में लग गए। इस चिंतन के आधार पर मुझे लगता है कि सांप्रदायिक समस्या का मूल भी अहं और स्वार्थ को छोड़कर अन्यत्र नहीं खोजा जा सकता। इसलिए सांप्रदायिक वैमनस्य की समस्या को सुलझाने के लिए भी अहं और स्वार्थ का विसर्जन बहुत आवश्यक है।

भाषा, जो दूसरों तक अपने विचारों को पहुंचाने का माध्यम है, को भी राष्ट्रीय एकता के सामने समस्या बनाकर खड़ा कर दिया जाता है। अपनी भाषा के प्रति आकर्षण होना अस्वाभाविक नहीं है। पर हमें इस तथ्य को नहीं भुला देना चाहिए कि मातृभाषा के प्रति जितना हमारा आकर्षण होता है, उतना ही दूसरों को अपनी मातृभाषा के प्रति होता है। इसलिए भाषाई अभिनिवेश में फंसना कैसे तर्कसंगत हो सकता है। राष्ट्रीय एकता के लिए इन विषयों पर गंभीर चिंतन करना आवश्यक है।

दिल्ली के सिंघासन पर किसकी होगी ताजपोशी

विनोद कुमार सिंह

देश की राजधानी में विगत दिनों दिल्ली विधान सभा 5 फरवरी को सम्पन्न होने के शाथ चुनावी समर का शोरगुल शांत हो गया है, लैकिन राजनीतिक दलों के नेता, कार्यकर्ता व समर्थक के मध्य चिन्ता, चिन्तन व चर्चा का दौर जारी है कि दिल्ली के सिंघासन पर किसकी होगी ताजपोशी। आप, भाजपा या कांग्रेस? आम आदमी पार्टी की सता बचा पायेगी या भाजपा अपने 27 बर्षो के वनवास को समाप्त करेगी या काँग्रेस जीत का स्वाद चखकर अपने पार्टी व कार्यकत्ताओं को संजीवनी दे सकेगी सर्व विदित रहे राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली के 70 सीटों पर 5 फरवरी को चुनाव हुए। चुनाव समाप्त होते ही टी वी चैनल खास कर खबरिया चैनल की एंकरो ने एग्जिट पल के बोतल मे बन्द जीन खोल कर अपनी आकाओं वाली पाटियों के गुनगान करने लगे जैसे इन्हीं टीवी न्युज एंकरो नें सरकार बनाने लगी। एग्जिट पोल के नतीजों में ज्यादातर पोल्स ने भाजपा की सरकार बना दी है। आम आदमी पार्टी (आप) अपनी हैट्रिक जीत से चूकती हुई नजर आ रही है। हालांकि कुछ एग्जिट पोल आम आदमी पार्टी की वापसी का अनुमान लगा रहे हैं और कुछ टक्कर का मुकाबला बता रहे हैं। आप को याद होगा कि वर्ष 2020 के दिल्ली चुनावों में अधिकांश एग्जिट पोल की भविष्यवाणियां गलत साबित हुई थी। वही हाल ही में सम्पन्न हुए हरियाणा विधानसभा चुनावों और लोकसभा चुनावों में भी एग्जिट पोल गलत साबित हुए। जहाँ तक मतदान के प्रतिशत का सवाल है। तो मै स्पष्ट कर दूँ कि चुनाव आयोग के अधिकारिक वेबसाइट के अनुसार इ दिल्ली में इस बार 60.40 फीसदी मत पड़े है वही 2020 के विधान सभा चुनाव में यह आंकड़ा 62.55 फीसदी था। इन आकंड़ से साफ है कि दिल्ली में पिछली बार के मुकाबले इस साल 2.15 फीसदी कम वोट पड़े हैं। अगर 2013, 2015 विधानसभा चुनाव के भी आंकड़ो को देखें तो इस बार सबसे कम वोटिंग हुई है। इसका मतलब है कि 2013 के बाद से सबसे कम वोटिंग इस साल (2025) के चुनाव में हुई है। आप को याद दिलाना चाहूंगा कि आम आदमी पार्टी का उदय 2013 में हुआ था व आप ने पहली बार चुनाव 2013 में ही लड़ा। उस वक्त चुनाव में 2008 की तुलना में करीब 8 फीसदी वोटिंग ज्यादा हुई थी। इसके कारण से कांग्रेस हारी थी और आप को फायदा हुआ था। जिसके परिणाम स्वरूप विधानसभा त्रिशंकु था। चुनाव के बाद कांग्रेस और आप ने मिलकर सरकार बनाई थी मगर यह सरकार ज्यादा दिन तक नहीं टिक सकी। 2015 के किसी भी एग्जिट पोल ने आप को 60 सीटों का आंकड़ा पार करते नहीं दिखाया था और हाँ उस वक्त केवल एक ही भविष्यवाणी की गई थी कि पार्टी 50 से ज्यादा सीटें जीतेगी। एक्सिस माई इंडिया सर्वे ने आप के लिए 53 सीटों का अनुमान लगाया था और यह वास्तविक नतीजों के सबसे करीब था। पुनः 2020 के दिल्ली विधानसभा चुनाव में आठ एग्जिट पोल ने 54 सीटों के साथ आप की शानदार जीत की भविष्यवाणी की थी, भाजपा को 15 सीटों पर और कांग्रेस को लगभग शून्य पर रखा था। एग्जिट पोल की सटीकता पहले की तुलना में काफी बेहतर साबित हुई थी, क्योंकि आप ने 62 सीटों और बीजेपी ने 8 सीटों पर जीत दर्ज की थी। वहीं कांग्रेस ने तो अपना खाता भी खोल पाया था। जहाँ तक दिल्ली में सता के सिंघासन पर ताजपोशी का सवाल है तो इसका फैसला तो दिल्ली की जागरूकता जनता ने अपना फैसला मतपेटियों में डालकर वह निशचिन्त हो गई। असली तस्वीर तो 8 फरवरी को मतगना वाले दिन ही होगे जिसके लिए अभी इंतजार करना होगा कि दिल्ली की सत्ता के सिंघासन पर ताजपोशी किसकी होगी।

परीक्षा में अंकों की भागदौड़.क्यों

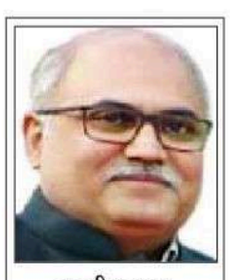

रजनीश कपूर

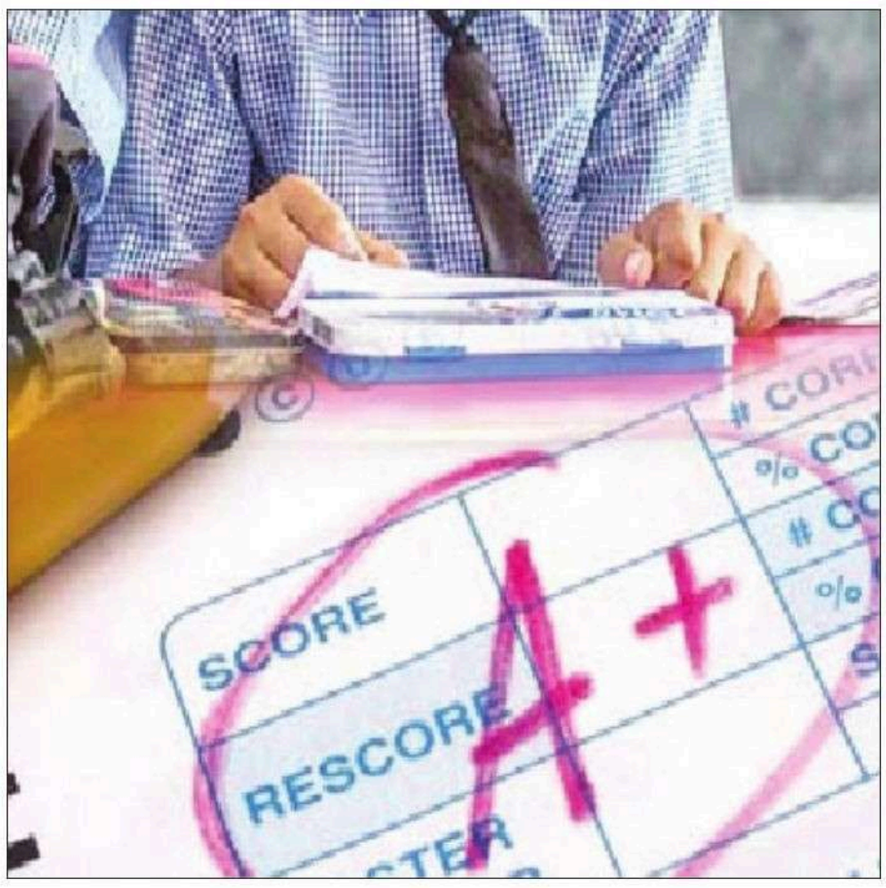

देश में वार्षिक परीक्षाएं छात्रों के भविष्य को निर्धारित करने का प्रमुख माध्यम हैं, लेकिन हाल के वर्षों में, शिक्षा का मूल उद्देश्य ज्ञान अर्जन से हटकर केवल उच्च अंक प्राप्त करने तक ही सीमित होता जा रहा है। खासकर देहाती क्षेत्रों के विद्यार्थी अब नियमित कक्षाओं में पढ़ने की बजाय कोचिंग सेंटरों पर अधिक निर्भर होते जा रहे हैं, क्योंकि वहां कम समय में अधिक अंक प्राप्त करने के आसान तरीके बताए जाते हैं। यह प्रवृत्ति न केवल शिक्षा प्रणाली को प्रभावित कर रही है, बल्कि ग्रामीण क्षेत्रों के छात्रों के समग्र विकास के लिए भी एक चुनौती बनती जा रही है।

देश के गांवों के छात्रों में एक नई होड़ देखी जा रही है। देहाती छात्र काफी मात्रा में विद्यालय से विमुख हो रहे हैं। इसके पीछे शिक्षा प्रणाली की कई खामियां जिम्मेदार मानी जा सकती हैं। इनमें अहम हैं ग्रामीण स्कूलों में शिक्षकों की कमी, कमजोर आधारभूत संरचना और अपर्याप्त शिक्षण सामग्री के कारण विद्यार्थी नियमित कक्षाओं में रुचि नहीं लेते। इसके अलावा कोचिंग संस्कृति का प्रभाव इतना बढ़ गया है कि छात्रों को लगता है कि विद्यालय में पढ़ने की तुलना में कोचिंग सेंटरों में परीक्षा के लिए विशेष तरीके सिखाए जाते हैं। जिससे वे कम समय में अधिक अंक प्राप्त कर सकते हैं। यह धारणा दिन ब दिन बढ़ती जा रही है। इतना ही नहीं गांव के भोले-भाले युवकों को लुभाने की मंशा से कई कोचिंग सेंटर यह दावा भी करते हैं कि वे छात्रों को परीक्षा में अधिक अंक दिलाने में मदद करेंगे, जिससे अभिभावक भी अपने बच्चों को विद्यालय भेजने की बजाय कोचिंग में दाखिला दिलाने के लिए प्रेरित होते हैं। ऐसा भी देखने में आया है कि ग्रामीण इलाकों के कई सरकारी स्कूलों में शिक्षकों की कमी या उनकी लापरवाही के कारण कक्षाओं का स्तर गिरता जा रहा है। ऐसे में छात्र कोचिंग का विकल्प चुनने को मजबूर हो जाते हैं। आज से कई वर्ष पूर्व 'थ्री इडिअट्स' फिल्म में भी यह दिखाया गया था कि अधिक अंकों की होड़ का छात्रों पर काफी नकारात्मक प्रभाव पड़ता है, जबकि होना यह चाहिए कि अगर हर नौजवान को अपने दिल की आवाज सुनकर अपनी जिंदगी की राह तय करनी चाहिए। केवल ज्यादा पैसे कमाने के लिए बिना समझे रट्टा मारने वाले कोल्हू के बैल ही होते हैं। जिनकी जिंदगी में रस नहीं आ पाता। यही कारण है कि आईआईटी जैसी प्रतिष्ठित संस्थानों से पढ़कर सैकड़ों नौजवान आज देश में ऐसे काम कर रहे हैं जिसका उनकी डिग्री से कोई लेना देना नहीं है। मसलन झुग्गियों में बच्चों को पढ़ाना, आध्यात्मिक आन्दोलनों में भगवद्गीता का प्रचारक बनना या गांव के नौजवानों के लिए कुटीर उद्योग स्थापित करने में मदद करना। दूसरी तरफ इंजीनियरिंग की डिग्री की भूख इस कदर बढ़ गई है कि एक-एक शहर में दर्जनों प्राइवेट इंजीनियरिंग कॉलेज खुलते जा रहे हैं। जिनमें दाखिले का आधार योग्यता नहीं मोटी रकम होता है। इन कॉलेजों में योग्य शिक्षकों और संसाधनों की भारी कमी रहती है। फिर भी यह छात्रों से भारी रकम फीस में लेते हैं। बेचारे छात्र अधिकतर ऐसे परिवारों से होते हैं जिनके लिए यह फीस देना जिंदगी भर की कमाई को दांव पर लगा देना होता है। इतना रुपया खर्च कर-के भी जो डिग्री मिलती है उसकी बाजार में कीमत कुछ भी नहीं होती। तब उस युवा को पता चलता है कि इतना रुपया लगाकर भी उसने दी गई फीस के ब्याज के बराबर भी पैसे की नौकरी नहीं पाई। तब उनमें हताशा आती है। इसलिए समझ की बजाय रटने की प्रवृत्ति को समाप्त करने में ही समझदारी है, लेकिन देखा यह गया है कि कुछ कोचिंग संस्थान परीक्षा पास कराने के लिए रटने पर जोर देते हैं, जिससे छात्रों की तार्किक और विश्लेषणात्मक क्षमता विकसित नहीं हो पाती। ऊपर से कोचिंग सेंटरों की बढ़ती फीस ग्रामीण और आर्थिक रूप से कमजोर छात्रों के लिए अतिरिक्त बोझ बन रही है। सोचने वाली बात यह है कि जब छात्र स्कूल की पढ़ाई को महत्त्व नहीं देते, तो विद्यालयों की गुणवत्ता और भी गिरती जाती है। वहीं परीक्षा में अच्छे अंक पाने के दबाव में कई छात्र नकल और अन्य अनुचित तरीकों का सहारा भी लेने लगते हैं। ऐसे में विद्यालयों की शिक्षा और गुणवत्ता में सुधार की बहुत जरूरत है।

परीक्षाओं को केवल अंकों के आधार पर तय करने की बजाय, प्रायोगिक ज्ञान, परियोजना कार्य और गतिविधि-आधारित मूल्यांकन को बढ़ावा देना चाहिए। शिक्षकों को इस बात पर विशेष जोर देना चाहिए कि उन्हें विद्यार्थियों को अंकों की होड़ में धकेलने की बजाय, उन्हें वास्तविक ज्ञान अर्जित करने और रचनात्मकता विकसित करने के लिए प्रेरित करना चाहिए। यदि शिक्षा प्रणाली को अधिक प्रभावी और समावेशी नहीं बनाया गया, तो यह प्रवृत्ति शिक्षा के व्यवसायीकरण को और अधिक बढ़ावा देगी। आवश्यक है कि विद्यालयों में गुणवत्ता सुधार के साथ परीक्षाओं में सफलता का मूल्यांकन केवल अंकों के आधार पर न किया जाए, बल्कि छात्रों की योग्यता और कौशल को ध्यान में रखा जाए। जब शिक्षा का असली उद्देश्य ज्ञानार्जन बनेगा, तभी समाज का वास्तविक विकास संभव होगा।

मशरूम की खेती

मशरूम की खेती हजारों वर्षों से विश्वभर में भोजन और औषध दोनों ही रूपों में रही है। ये पोषण का भरपूर स्रोत हैं और स्वास्थ्य खाद्यों का एक बड़ा हिस्सा बनाते हैं। मशरूमों में वसा की मात्रा बिल्कुल कम होती हैं, विशेषकर प्रोटीन और कार्बोहाइड्रेट की तुलना में, और इस वसायुक्त भाग में मुख्यतया लिनोलिक अम्ल जैसे असंतप्तिकृत वसायुक्त अम्ल होते हैं, ये स्वस्थ हृदय और हृदय संबंधी प्रक्रिया के लिए आदर्श भोजन हो सकता है।

मशरूम उत्पादन तकनीकी

पहले, मशरूम का सेवन विश्व के विशिष्ट प्रदेशों और क्षेत्रों तक ही सीमित था पर वैश्वीकरण के कारण विभिन्न संस्कृतियों के बीच संप्रेषण और बढ़ते हुए उपभोक्तावाद ने सभी क्षेत्रों में मशरूमों की पहुंच को सुनिश्चित किया है। मशरूम तेजी से विभिन्न पाक पुस्तक और रोजमर्रा के उपयोग में अपना स्थान बना रहे हैं। एक आम आदमी को रसोई में भी उसने अपनी जगह बना ली है। उपभोग की चालू प्रवृत्ति मशरूम निर्यात के क्षेत्र में बढ़ते अवसरों को दर्शाती है।

भारत में मशरुम की प्रजातियां

भारत में उगने वाले मशरूम की दो सर्वाधिक आम प्रजातियां वाईट बटन मशरूम और ऑयस्टर मशरूम है। हमारे देश में होने वाले वाईट बटन मशरूम का ज्यादातर उत्पादन मौसमी है। इसकी खेती परम्परागत तरीके से की जाती है। सामान्यता, अपॉश्चयरीकृत कूड़ा खाद का प्रयोग किया जाता है, इसलिए उपज बहुत कम होती है। तथापि पिछले कुछ वर्षों में बेहतर कृषि-विज्ञान पदधातियों की शुरूआत के परिणामस्वरूप मशरूमों की उपज में वृद्धि हुई है।

आम वाईट बटन मशरूम

आम वाईट बटन मशरूम की खेती के लिए तकनीकी कौशल की आवश्यकता है। अन्य कारकों के अलावा, इस प्रणाली के लिए नमी चाहिए, दो अलग तापमान चाहिए अर्थात पैदा करने के लिए अथवा प्ररोहण वृद्धि के लिए (स्पॉन रन) 220-280 डिग्री से, प्रजनन अवस्था के लिए (फल निर्माण) = 150-180 डिग्री से; नमी= 85-95 प्रतिशत और पर्याप्त संवातन सब्स्ट्रेट के दौरान मिलना चाहिए जो विसंक्रमित हैं और अत्यंत रोगाणुरहित परिस्थिति के तहत उगाए न जाने पर आसानी से संदूषित हो सकते हैं। अत=100 डिग्री से. पर वाष्पन (पास्तुरीकरण) अधिक स्वीकार्य है।

ऑएस्टर मशरूम

प्लयूरोटस, ऑएस्टर मशरूम का वैज्ञानिक नाम है। भारत के कई भागों में, यह ढींगरी के नाम से जाना जाता है। इस मशरूम की कई प्रजातिया है उदाहणार्थ = प्लयूरोटस ऑस्टरीयटस, पी सजोर-काजू, पी. फ्लोरिडा, पी. सैपीडस, पी. फ्लैबेलैटस, पी एरीनजी तथा कई अन्य भोज्य प्रजातियां। मशरूम उगाना एक ऐसा व्यवसाय है, जिसके लिए अध्यवसाय धैर्य और बुद्धिसंगत देख-रेख जरूरी है और ऐसा कौशल चाहिए जिसे केवल बुद्धिसंगत अनुभव द्वारा ही विकसित किया जा सकता है।

प्लयूरोटस मशरूमों की प्ररोहण वृद्धि (पैदा करने का दौर) और प्रजनन चरण के लिए 200-300 डिग्री का तापमान होना चाहिए। मध्य समुद्र स्तर से 1100-1500 मीटर की ऊचांई पर उच्च तुंगता पर इसकी खेती करने का उपयुक्त समय मार्च से अक्तूबर है, मध्य समुद्र स्तर से 600-1100 मीटर की ऊचांई पर मध्य तुंगता पर फरवरी से मई और सितंबर से नवंबर है और समुद्र स्तर से 600 मीटर नीचे की निम्न तुंगता पर अक्तूबर से मार्च है।

आवश्यक सामान

धान के तिनके - फफूंदी रहित ताजे सुनहरे पीले धान के तिनके, जो वर्षा से बचाकर किसी सूखे स्थान पर रखे गए हो।

400 गेज के प्रमाप की मोटाई वाली प्लास्टिक शीट - एक ब्लाक बनाने के लिए 1 वर्ग मी. की प्लास्टिक शीट चाहिए।

लकड़ी के सांचे - 45.30.15 से. मी. के माप के लकड़ी के सांचे, जिनमें से किसी का भी सिरा या तला न हो, पर 44.29 से. मी. के आयाम का एक अलग लकड़ी का कवर हो।

तिनकों को काटने के लिए गंडासा या भूसा कटर।

उबालने के लिए ड्रम (कम से कम दो)

जूट की रस्सी, नारियल की रस्सी या प्लास्टिक की रस्सियां

टाट के बोरे

स्पान अथवा मशरूम जीवाणु जिन्हें सहायक रोगविज्ञानी, मशरूम विकास केन्द्र, से प्रत्येक ब्लॉक के लिए प्राप्त किया जा सकता है।

एक स्प्रेयर कैसे करें

कूड़ा खाद बनाने के लिए अन्न के तिनकों (गेंहू, मक्का, धान, और चावल), मक्कई की डंडिया, गन्ने की कोई जैसे किसी भी कृषि उपोत्पाद अथवा किसी भी अन्य सेल्यूलोस अपशिष्ट का उपयोग किया जा सकता है। गेंहू के तिनकों की फसल ताजी होनी चाहिए और ये चमकते सुनहरे रंग के हो तथा इसे वर्षा से बचा कर रखा गया है। ये तिनके लगभग 5-8 से. मी. लंबे टुकडों में होने चाहिए अन्यथा लंबे तिनकों से तैयार किया गया ढेर कम सघन होगा जिससे अनुचित किण्वन हो सकता है। इसके विपरीत, बहुत छोटे तिनके ढ़ेर को बहुत अधिक सघन बना देंगे जिससे ढ़ेर के बीच तक पर्याप्त ऑक्सीजन नहीं पहुंच पाएगा जो अनएरोबिक किण्वन में परिणामित होगा।

कूड़ा खाद तैयार करना

गेंहू के तिनके अथवा उपर्युक्त सामान में से सभी में सूल्यूलोस, हेमीसेल्यूलोस और लिगनिन होता है, जिनका उपयोग कार्बन के रूप में मशरूम कवक वर्धन के लिए किया जाता है। ये सभी कूड़ा खाद बनाने के दौरान माइक्रोफ्लोरा के निर्माण के लिए उचित वायुमिश्रण सुनिश्चित करने के लिए जरूरी सबस्ट्रेट को भौतिक ढांचा भी प्रदान करता है। चावल और मक्कई के तिनके अत्यधिक कोमल होते है, ये कूड़ा खाद बनाने के समय जल्दी से अवक्रमित हो जाते हैं और गेंहू के तिनकों की अपेक्षा अधिक पानी सोखते हैं।

अत=, इन सबस्ट्रेट्स का प्रयोग करते समय प्रयोग किए जाने वाले पानी की प्रमात्रा, उलटने का समय और दिए गए संपूरकों की दर और प्रकार के बीच समायोजन का ध्यान रखना चाहिए। चूंकि कूड़ा खाद तैयार करने में प्रयुक्त उपोत्पादों में किण्वन प्रक्रिया के लिए जरूरी नाइट्रोजन और अन्य संघटक, पर्याप्त मात्रा में नहीं होते, इस प्रक्रिया को शुरू करने के लिए, यह मिश्रण नाइट्रोजन और कार्बोहाइड्रेट्स से संपूरित किया जाता है।

स्पानिंग

स्पानिंग अधिकतम तथा सामयिक उत्पाद के लिए अंडों का मिश्रण है। अण्डज के लिए अधिकतम खुराक कम्पोस्ट के ताजे भार के 0.5 तथा 0.75 प्रतिशत के बीच होती है। निम्नतर दरों के फलस्वरूप माइसीलियम का कम विस्तार होगा तथा रोगों एवं प्रतिद्वान्द्रियों के अवसरों में वृद्धि होगी उच्चतर दरों से अण्डज की कीमत में वद्धि होगी तथा अण्डज की उच्च दर के फलस्परूप कभी-कभी कम्पोस्ट की असाधारण ऊष्मा हो जाती है।

ए बाइपोरस के लिए अधिकतम तापमान 230 से (+) (-) 20 से./उपज कक्ष में सापेक्ष आर्द्रता अण्डज के समय 85-90 प्रतिशत के बीच होनी चाहिए।

कटाई

थैले को खोलने के 3 से 4 दिन बाद मशरूम प्रिमआर्डिया रूप धारण करना शुरू कर देते हैं। परिपक्व मशरूम अन्य 2 से 3 दिनों में कटाई के लिए तैयार हो जाते हैं। एक औसत जैविक कारगरहा (काटे गए मशरूम का ताजा भार जिसे एयर ड्राई सबट्रेट द्वारा विभक्त किया गया हो ङ्क100) 80 से 150 प्रतिशत के बीच हो सकती है और कभी-कभी उससे ज्यादा। मशरूम को काटने के लिए उन्हें जल से पकड़ा जाता है तथा हल्के से मरोड़ा जाता है तथा खींच लिया जाता है। चाकू का इस्तेमाल नहीं किया जाना चाहिए। मशरूम रेफ्रीजरेटर में 3 से 6 दिनों तक जाता बना रहता है।

मशरूम गृह/कक्ष

क्यूब तैयार करने का कक्ष

एक आदर्श कक्ष आर.सी.सी. फर्श का होना चाहिए, रोशनदानयुक्त एवं सूखा होना चाहिए। लकड़ी के ढांचे को रखने, क्यूब एवं अन्य आर.सी.सी. चबूतरा के लिए कक्ष के अंदर 2 सेमी ऊंचा चबूतरा बनाया जाना चाहिए, ऐसा भूसे के पाश्चुरीकृत थैलों को बाहर निकालने की आवश्यतानुसार होना चाहिए। जिन सामग्रियों के लिए क्यूब को बनाने की आवश्यकता है, उन्हें कक्ष के अंदर रखा जाना चाहिए। क्यूब को तैयार करने वाले व्यक्तियों को ही कमरे के अंदर जाने की अनुमति दी जानी चाहिए।

उठ्यमान कक्ष

उण्डजों के संचालन के लिए कमरा यह कमरा आरसीसी भवन अथवा आसाम विस्म (घर में कोई अलग कमरा) का कमरा होना चाहिए तथा खण्डों को रखने के लिए तीन स्तरों में साफ छेद वाले बांस की आलमारी लगाई जानी चाहिए। पहला स्तर जमीन से 100 सेमी ऊपर होना चाहिए तथा दूसरा स्तर कम से कम 60 सेमी ऊंचा होना चाहिए।

फसल कक्ष

एक आदर्श गृह/कक्ष आर.सी.सी. भवन होगा जिसमें विधिवत उष्मारोधन एवं कक्ष को ठंडा एवं गरम करने का प्रावधान स्थापित किया गया होगा। तथापि बांस, थप्पर तथा मिट्टी प्लास्टर जैसे स्थानीय रूप से उपलब्ध सामग्रियों का इस्तेमाल करते हुए स्वदेशी अल्प लागत वाले घर की सिफारिश की गई है। मिट्टी एवं गोबर के समान मिश्रण वाले स्पिलिट बांस की दीवारें बनाई जा सकती है।

कच्ची ऊष्मारोधक प्रणाली का प्रावधान करने के लिए घर के चारों ओर एक दूसरी दीवार बनाई जाती है जिसमें प्रथम एवं दूसरी दीवार के मध्य 15 सेमी का अंत्तर रखा जाता है। बाहरी दीवार के बाहरी तरफ मिट्टी का पलास्टर किया जाना चाहिए। दो दीवारों के मध्य में वायु का स्थान ऊष्मा रोधक का कार्य करेगा क्योंकि वायु ऊष्मा का कुचालक होती है। यहां तक कि एक बेहतर ऊष्मारोधन का प्रावधान किया जा सकता है यदि दीवारों के बीच के स्थान को अच्छी तरह से सूखे 8 ए छप्पर से भर दिया जाए। घर का फर्श वरीयत=सीमेंट का होना चाहिए किन्तु जहां यह संभव नही है, अच्छी तरह से कूटा हुआ एवं प्लास्टरयुक्त मिट्टी का फर्श पर्याप्त होगा। तथापि, मिट्टी की फर्श के मामले में अधिक सावधानी बरतनी होगी।

प्रणाली

छत मोटे छापर की तहो अथवा वरीयत=सीमेंट की शीटों की बनाई जानी चाहिए। छप्पर की छत से अनावश्यक सामग्रियों के संदूषण से बचने के लिए एक नकली छत आवश्यक है। प्रवेश द्वार के अलावा, कक्ष में वायु के आने एवं निकलने के लिए कमरे के आयु एंव पश्च भाग के ऊपर एवं नीचे दोनों तरफ से रोशनदानों का भी प्रावधान किया जाना चाहिए। घर तथा कक्षा ऊर्ध्वाधर एवं अनुप्रस्थ बांस के खम्भों के ढांचो का होना चाहिए जो ऊष्मायन अवधि के उपरान्त खंडों को टांगने के लिए अपेक्षित है।

अनुप्रस्थ खम्भों को ऊष्मायन आलमारी के रूप में 3 स्तरीय प्रणाली में व्यवस्थित किया जा सकता है। खम्भे वरीयत= दीवारों से 60 सेमी दूर तथा तीनों स्तरों की प्रत्येक पंक्ति के बीच में होने चाहिए, 1 सेमी की न्यूनतम जगह बनाई रखी जानी चाहिए। 3.0ङ्क2.5ङ्क2.0 मी. का फसल कक्ष 35 से 40 क्यूबों को समायोजित करेगा।

विधि

भूसे को हाथ के यंत्र से 3-5 सेमी लम्बे टुकडों में काटिए तथा टाट की बोरी में भर दीजिए। एक ड्रम में पानी उबालिए। जब पानी उबलना शुरू हो जाए तो भूसे के साथ टाट की बोरी को उबलते पानी में रख दीजिए तथा 15-20 मिनट तक उबालिए। इसके पश्चात फेरी को ड्रम से हटा लीजिए तथा 8-10 घंटे तक पड़े रहने दीजिए ताकि अतिरिक्त पानी निकल जाए तथा चोकर को ठंडा होने दीजिए। इस बात का ध्यान रखा जाए कि ब्लॉक बनाने तक थैले को खुला न छोड़ा जाए क्योंकि ऐसा होने पर उबला हुआ चोकर संदूषित हो जाएगा। हथेलियों के बीच में चोकर को निचोड़कर चोकर की वांछित नमी तत्व का परीक्षण किया जा सकता है तथा सुनिश्चित कीजिए कि पानी की बूंदे चोकर से बाहर न निकलें।

चोकर के पाश्चुरीकृत का दूसरा तरीका भापन है। इस तरीके के लिए ड्रम में थोड़े परिवर्तन की आवश्यकता होती है (ड्रम के ढक्कन में एक छोटा छेद कीजिए तथा चोकर को उबालते समय रबर की ट्यूब से ढक्कन के चारों ओर सील लगा दीजिए) टुकड़े-डुकड़े किए गए चोकर को पहले भिगो दीजिए तथा अतिरिक्त पानी निकाल दिया जाए। ड्रम में कुछ पत्थर डाल दीजिए तथा पत्थर के स्तर तक पानी उड़ेलिए।

बांस की टोकरी में रखकर गीले चोकर को उबाल दें तथा ड्रम के अंदर पत्थर के ऊपर टोकरी को रख दें। ड्रम के ढक्कन को बंद कर दें तथा रबर की ट्यूब से ढक्कन की नेमि को सील कर दीजिए। उबले हुए पानी से उत्पन्न भाप चोकर से गुजरते हुए इसे पाश्चुरीकृत करेगी। उबालने के बाद चोकर को पहले से कीटाणुरहित किए गए बोरी में स्थानांतरित कर दिजिए तथा 8-10 घंटे तक इसे ठंडा होने के लिए छोड़ दीजिए।

अब क्या करें

लकड़ी का एक सांचा लीजिए तथा चिकने फर्श पर रख दीजिए। पटसून की दो रस्सियों ऊर्ध्वाधर एवं अनुप्रस्थ रूप में रख दीजिए। प्लास्टिक की शीट से अस्तर लगाइए जिसे पहले उबलते पानी में डुबोकर कीटाणुरहित किया गया है।

5 सेमी. के उबले चोकर को भर दीजिए तथा लकड़ी के ढक्कन की मदद से इसे सम्पीडित कीजिए तथा पूरी सतह पर स्पान को छिड़किए।

स्पानिंग की प्रथम तह के उपरान्त 5 सेमी का अन्य चोकर रखिए तथा सतह पर पुन=स्थान का छिड़काव करें तथा प्रथम तह में किए गए की तरह इसे सम्पीडित कीजिए। इस प्रकार तह पर स्पान को 4 से 6 तह तक के लिए तब तक छिड़किए जब तक चोकर सांचे के शीर्ष के स्तर तक न आ जाए। एक (1) एक पैकेट स्पान का इस्तेमाल 1 क्यूब अथवा ब्लाक के लिए किया जाना चाहिए।

आगे क्या करें

अब प्लास्टिक की शीट सांचे की शीर्ष पर मोडी जाए प्लास्टिक के नीचे पहले रखी गई पटसून की रस्सियों से उसे बांध दिया जाए।

बांधने के उपरांत सांचे को हटाया जा सकता है तथा चोकर का आयताकर खंड पीछे बच जाता है।

वायु के लिए खंड के सभी तरफ छेद (2 मिमी व्यास) बनायें।

ऊष्मायन कक्ष में ब्लॉक को रख दीजिए उन्हें सरल तह में एक दूसरे के बगल रखा जाए तथा इस बात का ध्यान रखा जाए कि उन्हें फर्श पर अथवा एक दूसरे के शीर्ष पर सीधे न रखा जाए क्योंकि इससे अतिरिक्त ऊष्मा उत्पन्न होगी।

ब्लॉक का तापमान 250 से. पर रखा जाए। ब्लॉक के छिद्रों में एक तापमापक डालकर इसे नोट किया जा सकता है। यदि तापमान 250 से. से ऊपर जाता है तो कमरे में गैस भरने की सलाह दी जाती है। तथा यदि तापमान में गिरवाट आती है, तो कमरे को धीरे-धीरे गर्म किया जाना चाहिए।

यह भी करें

पूरे पयाल में फैलने के लिए स्पान को 12 से 15 दिन लगता है तथा जब पूरा ब्लॉक सफेद हो जाए तो यह निशान है कि स्पान संचालन पूरा हो गया है।

अण्डज परिपालन के उपरांत ब्लॉक से रस्सी तथा प्लास्टिक की शीट को हटा दीजिए। नारियल की रस्सी से ब्लॉक को अनुप्रस्थ रूप में बांध दीजिए तथा इसे फसल कक्ष में लटका दीजिए। इस अवस्था से आगे कमरे की सापेक्ष आर्द्रता 85 प्रतिशत से कम नहीं होनी चाहिए। ऐसे दीवारों तथा कमरे की फर्श पर जल छिड़क करके समय-समय पर किया जा सकता है। यदि फर्श सीमेंट का है, तो सलाह दी जाती है कि फर्श पर पानी डालिए ताकि फर्श पर हमेश पानी रहे। यदि खंड हल्का से सूखने का लक्षण जिससे लगे तो स्प्रेयर के माध्यम से स्प्रे किया जा सकता है।

एक सप्ताह से 10 दिन के भीतर ब्लॉक की सतह पर छोटे-छोटे पिन शीर्ष दिखाई पड़ेगे तथा ये एक या दो दिन के भीतर पूरे आकार के मशरूम हो जाएंगे।

उपज

मशरूम प्रवाह में दिखाई पड़ते है। एक क्यूब से लगभग 2 से 3 प्रवाह काटे जा सकते है। प्रथम प्रवाह की उपज ज्यादा होती है तथा तत्पश्चात धीरे-धीरे कम होने लगती है तथा एक क्यूब से 1.5 किग्रा से 2 किग्रा तक के ताजे मशरूम की कुल उपज प्राप्त होती है। इसके बाद क्यूब को छोड़ दिया जाता है तथा फसल कक्ष से काफी दूर पर स्थित एक गड्ढे में पाट दिया जाता है अथवा बगीचे अथवा खेत में खाद के रूप में इसका इस्तेमाल किया जा सकता है।

परिरक्षण

मशरूम को ताजा खाया जा सकता है अथवा इसे सुखाया जा सकता है। चूंकि वे शीघ्र ही नष्ट हो जाने वाले प्रकृति के होते हैं तो आगे के इस्तेमाल अथवा दूरस्थ विपणन के लिए उनका परिरक्षण आवश्यक है। ओयेस्टर मशरूम को परिरक्षित करने का सबसे पुराना एवं सस्ता तरीका है धूप में सुखाना।

गर्म हवा में सुखाना कारगर उपयोग है जिसके द्वारा मशरूम को डिहाइड्रेटर (स्थानीय रूप से तैयार उपस्कर) नामक उपस्कर में सुखाया जाता है मशरूम को एक बंद कमरे में लगे हुए तार के जाल से युक्त रैक में रखा जाता है तथा गर्म हवा (500 से 550 से) 7-8 घंटे तक रैक के माध्यम से गुजरती है।

मशरूम को सुखाने के बाद इसे वायुसह डिब्बे में स्टोर किया जाता है अथवा 6-8 माह के लिए पोलीबैग में सील कर दिया जाता है। पूरी तरह से सोखने के उपरांत मशरूम अपने ताजे वजन से कम होकर एक से घट कर तैरहवां भाग रह जाता है जो सुरक्षा के आधार पर अलग-अलग होता है। मशरूम को ऊष्ण जल में भिगोकर आसानी से पुन=जलित किया जा सकता है।

रोग एवं कीट

यदि मशरूम की देखभाल न की जाए तो अनेक रोग एवं पीट इस पर हमला कर देते हैं।

रोग

हरी फफूंद (ट्राइकोडर्मा विरिडे) = यह कस्तूरा कुकुरमुत्ते में सबसे अधिक सामान्य रोग है जहां क्यूबों पर हरे रंग के धब्बे दिखाई पड़ते है।

नियंत्रण=फॉर्मालिन घोल में कपड़े को डुबोइए (40 प्रतिशत) तथा प्रभावित क्षेत्र को पोंछ दीजिए। यदि फफूंदी आधे से अधिक क्यूब पर आक्रमण करती है तो सम्पूर्ण क्यूब को हटा दिया जाना चाहिए। इस बात की सावधानी रखी जानी चाहिए कि दूषित क्यूब को पुनर्संक्रमण से बचाने के लिए फसल कक्ष से काफी दूर स्थान पर जला दिया जाए अथवा दफना दिया जाए।

कीट

मक्खियां=देखा गया है कि स्कैरिड मक्खियां, फोरिड मक्खियां, सेसिड मक्खियां कुकुरमुत्ते तथा स्पॉन की गंध पर हमला करती हैं। वे भूसी अथवा कुकुरमुत्ते अथवा उनसे पैदा होने वाले अण्डों पर अण्डे देती हैं तथा फसल को नष्ट कर देती हैं। अण्डे माइसीलियम, मशरूम पर निर्वाह करते हैं एवं फल पैदा करने वाले शरीर के अंदर प्रवेश कर जाते हैं तथा यह उपभोग के लिए अनुपयुक्त हो जाता है।

नियंत्रण = फसल की अवधि में बड़ी मक्खियों के प्रवेश को रोकने के लिए दरवाजों, खिडकियों अथवा रोशनदानों पर पर्दा लगा दीजिए यदि कोई, 30 मेश नाइलोन अथवा वायर नेट का पर्दा। मशरूम गृहों में मक्खीदान अथवा मक्खियों को भगाने की दवा का इस्तेमाल करें।

कुटकी = ये बहुत पतले एवं रेंगने वाले छोटे-छोटे कीड़े होते हैं जो कुकुरमुत्ते के शरीर पर दिखाई देते हैं। वे हानिकारक नहीं होते है, किन्तु जब वे बड़ी संख्या में मौजूद होते है तो उत्पादक उनसे चिंतित रहता है।

नियंत्रण=घर तथा पर्यावरण को साफ सुथरा रखें।

शम्बूक, घोंघा = ये पीट मशरूम के पूरे भाग को खा जाते हैं जो बाद में संक्रमित हो जाते हैं तथा वैक्टीरिया फसल के गुणवत्ता पर बुरा प्रभाव डालते हैं।

नियंत्रण = क्यूब से पीटों को हटाइए तथा उन्हें मार डालिए। साफ सुथरी स्थिति को बनाये रखें।

अन्य कीटाणु

5.कृन्तक = कृन्तकों का हमला ज्यादातर अल्प कीमत वाले मशरूम हाउसों पर पाया जाता है। वे अनाज की स्पॉन को खाते हैं तथा क्यूबों के अंदर छेद कर देते हैं।

नियंत्रण=मशरूम गृहों में चूहा विष चारे का इस्तेमाल करें। चूहों की बिलों को कांच के टुकडों एवं पलास्टर से बंद कर दें।

इन बातों का भी रखें ध्यान

जब फल बनना शुरू होता है तो हवा की जरूरत बढ़ जाती है। अत=जब एक बार फल बनना शुरू हो जाता है तो आवश्यक है कि हर 6 से 12 घण्टो बाद कमरे के सामने और पीछे दिए गए वेंटीलेटर खोलकर ताजी हवा अंदर ली जाए।

जब आवरणों की परिधि ऊपर की ओर मुड़ना शुरू हो जाती है तो फल काया (मशरूम) तोड़ने के लिए तैयार हो जाते है। ऐसा जाहिर होगा क्योंकि छोटी-छोटी सिलवटें आवरण पर दिखाई पड़ने लगती है। मशरूम को काटने के लिए अंगूठे एवं तर्जनी से आधार पर डाल को पकड़ लीजिए तथा हल्के क्लाकवाइज मोड़ से पुआल अथवा किसी छोटे मशरूम उत्पादन को विक्षोभित किए बिना मशरूम को डाल से अलग कर लीजिए। काटने के लिए चाकू अथवा कैंची का इस्तेमाल मत करें। एक सप्ताह के बाद ब्लॉक में फिर से फल आने शुरू हो जाएंगे।

बहन जान्हवी से पूछे बिना कोई काम नहीं करती खुशी कपूर

खुशी कपूर और जुनैद खान की जोड़ी फिल्म लवयापा में नजर आने वाली है। इस फिल्म की रिलीज से पहले दोनों अभिनेता इसके प्रमोशन में बिजी हैं। फिल्म प्रमोशन के लिए जुनैद खान और खुशी कपूर भारती सिंह के पॉडकास्ट में भी पहुंचे। इस दौरान उन्होंने फिल्म के साथ अपनी निजी जिंदगी को लेकर भी बहुत सी बातें की हैं। खुशी कपूर ने बताया कि वे अपनी बहन जान्हवी कपूर से पूछे बिना कुछ भी काम नहीं करती हैं, जब बहन का अप्रूवल मिल जाता है, तब ही वे काम शुरू करती हैं। यहां तक की खुशी कपूर की स्टाइलिंग भी उनकी बहन ही करती हैं। खुशी कपूर ने बताया वे केरल में अपनी किसी फिल्म की शूट में बिजी हैं, वे एक दिन के लिए मुंबई आएंगी और फिल्म देखकर वापस चली जाएंगी।

पिता ने कही ये बात

खुशी कपूर ने बताया कि उनके पिता ने भी इस फिल्म के लिए उन्हें बहुत सपोर्ट किया है। उनके पिता ने ही उन्हें ओरिजनल तमिल फिल्म देखने के लिए कहा है। खुशी ने कहा कि उनके पिता बोनी कपूर उन्हें हर काम में सपोर्ट करते हैं। खुशी ने पॉडकास्ट में बताया कि अब उन्हें इंतजार है कि कब सब लोग उन्हें फोन करके कहें कि वाह खुशी ने क्या काम किया है।

इस दिन रिलीज होगी फिल्म

फिल्म लवयापा अपनी रिलीज के लिए बिल्कुल तैयार है। इस फिल्म में जुनैद और खुशी के साथ राधिका सरथकुमार, सत्यराज, योगी बाबू, एजाज खान, रवीना रवि, अदनान सिद्दीकी और स्वाति वर्मा जैसे सितारे अहम भूमिका में हैं। फिल्म 7 फरवरी को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

रकुल प्रीत संग काम को लेकर बोलीं भूमि

बॉलीवुड अभिनेत्री भूमि पेडनेकर ने अपनी आगामी फिल्म मेरे हसबैंड की बीवी में रकुल प्रीत संग काम करने को लेकर अपने विचार साझा किए हैं। उन्होंने कहा कि एक ही फिल्म में दो अभिनेत्रियां काम नहीं कर सकतीं ये बिल्कुल गलत नरेटिव है। बता दें इस फिल्म में भूमि पेडनेकर और रकुल प्रीत सिंह एक साथ स्क्रीन शेयर करती नजर आने वाली हैं। फिल्म में अर्जुन कपूर भी मुख्य किरदार में हैं। भूमि ने बॉलीवुड फिल्मों में दो अभिनेत्रियों के एक साथ काम करने को लेकर अपनी टिप्पणी दी है।

कॉमेडी फिल्म को लेकर कही ये बात

उन्होंने कहा, आमतौर पर महिला कलाकारों को कॉमेडी फिल्में करने का मौका नहीं मिलता। मुझे कॉमेडी फिल्में देखना बहुत पसंद है। इस फिल्म में दोनों महिला कलाकारों ने कॉमेडी को आगे बढ़ाया है, जैसा कि आप 90 के दशक में नंबर वन सीरीज की फिल्मों में देखते थे, जिसमें अभिनेत्रियां कॉमेडी करती थीं। इसलिए, हमने भी कुछ ऐसा ही किया है।

रकुल प्रीत सिंह के लिए बोलीं

भूमि ने रकुल प्रीत सिंह के साथ फिल्म करने को लेकर भी अपनी बात सामने रखी। उन्होंने कहा, वह मेरी बहन जैसी हैं। उसकी शादी मेरे सबसे अच्छे दोस्त जैकी भगनानी से हुई है और अब वह मेरी सबसे करीबी दोस्तों में से एक बन गई है। यह कहा जाता है कि दो अभिनेत्रियां एक साथ असुरक्षित हैं, हालांकि ये सच नहीं है और यह कुछ ऐसे पुरुषों द्वारा शुरू किया गया होगा जो खुद सुरक्षित नहीं हैं। हमारे बीच कुछ भी गलत नहीं है, बल्कि हमने फिल्म की शूटिंग में पूरी मस्ती की। फिल्म में अर्जुन कपूर पूर्व पत्नी भूमि को ठीक करने की कोशिश करते हैं और उन्हें सब सच बता देते हैं। भूमि भी अब अर्जुन को दोबारा पाना चाहती हैं, जिसके बाद रकुल के साथ उनकी जंग शुरू हो जाती है। अब पूरी कहानी तीनों के इर्द-गिर्द घूम रही है। अर्जुन, भूमि और रकुल की यह फिल्म 21 फरवरी को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इन अभिनेत्रियों संग शेयर की स्क्रीन ऐसा पहली बार नहीं है कि भूमि किसी फिल्म में एक और बॉलीवुड अभिनेत्री के साथ दिखाई देने वाली हैं। भूमि इससे पहले पति, पत्नी और वो में अनन्या पांडे के साथ काम कर चुकी हैं। वे तापसी पन्नू के साथ भी सांड की आंख में स्क्रीन शेयर कर चुकी हैं।

फिल्म 'इक्कीस' में नजर आएंगे सिकंदर खेर

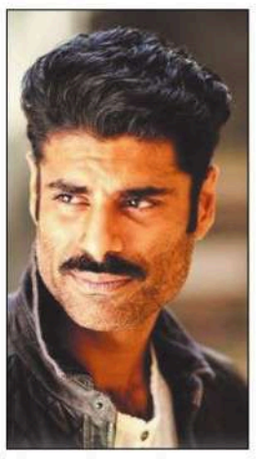

श्रीराम राघवन डायरेक्टेड फिल्म इक्कीस की काफी समय से चर्चा है। इस फिल्म में उम्दा एक्टर्स शामिल हैं। अब एक और एक्टर फिल्म का हिस्सा बना है। ये एक्टर भी फिल्म 'इक्कीस' का हिस्सा बनकर खुश है। श्रीराम राघवन की फिल्म इक्कीस में जो एक्टर आर्मी मैन का रोल निभाने वाला है, वह पहले भी कई फिल्मों में उम्दा किरदार निभा चुका है। इस एक्टर का नाम सिकंदर खेर है। वह फिल्म इक्कीस में आर्मी मैन का रोल निभाने के लिए पूरी तरह से तैयार हैं। इन दिनों वह अपने किरदार को निभाने के लिए जरूरी तैयारियां कर रहे हैं। फिल्म 'इक्कीस' के बारे में सिकंदर खेर कहते हैं, 'मैं हमेशा श्रीराम राघवन की फिल्म का इंतजार करता रहा हूं। वह बड़े ही अनूठे तरीके से कहानी को कहते हैं। मैं हमेशा से उनकी फिल्मों का हिस्सा बनना चाहता था। फिल्म 'इक्कीस' में दर्शकों को अलग ही तरह की कहानी देखने को मिलेगी। मैं फिल्म में एक आर्मी ऑफिसर का रोल कर रहा हूं।

बेटे की डेब्यू सीरीज को लेकर एक्साइटेड हैं शाहरुख

काफी समय से चर्चा चल रही थी शाहरुख खान के बेटे आर्यन खान एक्टिंग की बजाय डायरेक्शन से फिल्मी दुनिया में कदम रखेंगे। लेकिन हाल ही में आर्यन के डायरेक्शन में बनी ओटीटी सीरीज 'बैड्स ऑफ बॉलीवुड' का लॉन्च इवेंट हुआ। इसमें आर्यन खान को लेकर शाहरुख खान ने कई बातें साझा की। ओटीटी सीरीज 'बैड्स ऑफ बॉलीवुड' से जुड़े इवेंट पर शाहरुख खान ने कहा कि जितना प्यार मुझे मिला है, उसका 50 प्रतिशत भी मेरे बच्चों को मिल जाए तो काफी है। साथ ही वह कहते हैं कि आर्यन ने इस सीरीज पर काफी मेहनत की है, यह हार्डवर्क तभी सफल माना जाएगा, जब दर्शक सीरीज को पसंद करेंगे।

सीरीज में शाहरुख खान का क्या रहा एफर्ट

शाहरुख खान आगे कहते हैं कि मैंने आर्यन की इस सीरीज का प्रोमो शूट करने के लिए रात भर मेहनत की। गौरी और आर्यन तो मुझे घर की मुर्गी दाल बराबर समझते हैं। आगे वह यह भी कहते हैं कि आर्यन और उनकी टीम ने भी बहुत एफर्ट इस सीरीज के लिए किए हैं।

क्या है आर्यन की सीरीज की कहानी

आर्यन खान के डायरेक्शन में बनी सीरीज बैड्स ऑफ बॉलीवुड में मुंबई आए लोगों के स्ट्रगल की कहानी को बताया जा रहा है। कैसे एक्टर बनने की शुरुआत ये लोग करते हैं, किस तरह के स्ट्रगल से गुजरते हैं। इसी सब्जेक्ट पर कहानी को बुना गया है।

बेटी के साथ किंग खान करेंगे एक्टिंग

एक तरफ शाहरुख खान अपने बेटे की सीरीज को लेकर एक्साइटेड हैं, वहीं वह बेटी सुहाना खान के साथ भी एक फिल्म कर रहे हैं। इस फिल्म का नाम 'किंग' बताया जा रहा है। फिल्म 'किंग' में दर्शकों को खूब एक्शन देखने को मिलेगा।

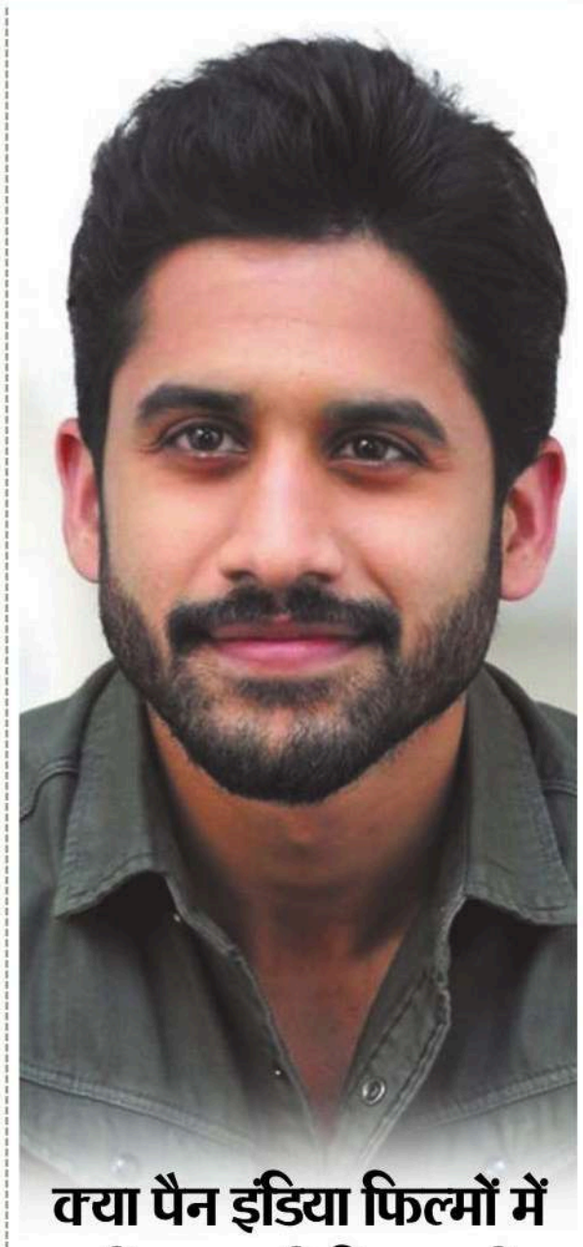

क्या पैन इंडिया फिल्मों में नहीं नागा की दिलचस्पी? बोले- सच्ची कहानियों का हिस्सा बनना चाहूंगा

ऐसे वक्त में जब हर छोटा-बड़ा स्टार पैन इंडिया फिल्म में काम करने को उत्साहित है, वहीं नागा चैतन्य अलग विचार रखते हैं। नागा चैतन्य का कहना है कि वे पैन इंडिया फिल्मों की बजाय अपनी जड़ों से जुड़ी और सच्ची कहानियों को चुनना पसंद करेंगे।

तेलुगु सिनेमा के चर्चित एक्टर नागा चैतन्य का कहना है कि वे ऐसी सच्ची कहानियों का हिस्सा बनना चाहते हैं, जो धीरे-धीरे अलग-अलग जगहों तक पहुंचें। वे ऐसी फिल्म में काम करने को लेकर निश्चित नहीं हैं, जिन्हें पैन इंडिया प्रोजेक्ट के रूप में पेश किया गया हो।

सच्चाई होगी तो फिल्म खुद दर्शकों तक पहुंचेगी

माजिली, कस्टडी और लव स्टोरी जैसी तेलुगु ब्लॉकबस्टर फिल्मों के लिए मशहूर अभिनेता नागा चैतन्य अपने आगामी फिल्म तंडेल को लेकर चर्चा में हैं, जो 07 फरवरी को रिलीज होगी। फिल्मों को लेकर नागा ने बातचीत में कहा, मैं ईमानदार कहानियों का हिस्सा बनना चाहता हूं। आप जो कर रहे हैं, अगर उसमें सच्चाई है, वह जड़ों से जुड़ी है तो खुद-ब-खुद जगह-जगह दर्शकों तक पहुंच जाएगी।

ऐसे तरीके मैं नहीं अपना पाऊंगा

नागा चैतन्य ने कहा, यह पैन इंडिया जैसी चीज, दर्शकों के एक खास वर्ग के लिए फिल्में बनाना, एक खास तरह के कलाकारों का चयन करना और उसे पैन इंडिया फिल्म के रूप में पेश करने के लिए अलग-अलग चीजें करना, मुझे नहीं लगता कि मैं यह तरीका अपनाऊंगा। मैं ऐसे इमोशंस, कहानियां, यात्राएं और किरदार चुनूंगा जो यूनिवर्सल हों, जमीनी और वास्तविक हों। ऐसी कहानियां अपने आप लोगों तक पहुंचेंगी।

क्या है फिल्म की कहानी?

फिल्म तंडेल एक रोमांटिक ड्रामा फिल्म है, जो असल जिंदगी की घटना पर आधारित है। नागा चैतन्य के साथ फिल्म में साई पल्लवी नजर आएंगी। फिल्म की कहानी एक मछुआरे के इर्द-गिर्द घूमती है, जो समुद्र में खो जाता है और अनजाने में पाकिस्तानी जलक्षेत्र में चला जाता है। वहां उसे पकड़ लिया जाता है और पाकिस्तानी जेल में डाल दिया जाता है। नागा चैतन्य का कहना है कि यह फिल्म लोगों से जुड़ेगी और उन्हें पसंद आएगी।

मैं स्टार नहीं स्टोरी के पीछे भागता हूं

मलयालम एक्टर पृथ्वीराज सुकुमारन ने साल 2019 में डायरेक्शन में डेब्यू किया था। उन्होंने अपनी पहली ही डायरेक्टोरियल फिल्म 'लूसिफर' से सफलता का स्वाद चखा। इस ट्रियोलॉजी की दूसरी फिल्म 'L2 एम्पुरन' पांच भाषाओं में रिलीज को तैयार है। बड़े प्रोडक्शन हाउस, बिग बजट और बड़े स्टार वाली ये फिल्म 27 मार्च को रिलीज होगी। हाल ही में कोच्चि में फिल्म का टीजर रिलीज किया गया।

'लूसिफर' के ब्लॉकबस्टर होने के बाद दर्शकों की उम्मीद काफी बढ़ गई है। 'L2 एम्पुरन' क्या उस उम्मीद पर खरी उतरेगी?

मैं जानता हूं कि लोगों को इस फिल्म से काफी उम्मीदें हैं। लेकिन सच ये है कि इस फिल्म को बनाते समय मैंने इन बातों का उतना लोड नहीं लिया। 'L2' इसलिए नहीं बनी कि पार्ट-1 सफल रही। इस फ्रेंचाइजी के तीन पार्ट पहले से ही तय थे। लेकिन हम हमेशा से जानते थे कि अगर पार्ट-1 सफल नहीं हुआ तो पार्ट-2 कभी नहीं बनता। लेकिन शुक्र है कि 'लूसिफर' मलयालम इंडस्ट्री की आइकॉनिक फिल्म बनी। 'लूसिफर' की कहानी केरल की राजनीति पर आधारित थी लेकिन पार्ट-2 की कहानी नेशनल लेवल पर है। इस फिल्म की 33 फीसदी कहानी हिंदी में है। पार्ट-1 में भी मेरा किरदार सिर्फ हिंदी में बात करता था। मेरी कोशिश रही है कि फिल्म के हर वर्जन में हिंदी वाला पार्ट वैसा ही रहे। इस वजह से हम इसे उत्तर भारत में अच्छे से रिलीज करना चाहते हैं। हमें यकीन है कि अगर किसी ने पार्ट-1 नहीं भी देखी है तो उसे ये फिल्म समझ आ जाएगी। ये फिल्म अपनी कहानी खुद कहने वाली है।

'L2' के टीजर को तेलुगु, तमिल, मलयालम, कन्नड़, हिंदी हर भाषाओं में दर्शकों का प्यार मिल रहा है। क्या ये सही मायनों में पैन इंडिया फिल्म है?

मैंने जब 2016-17 में ये आइडिया सुना था, मुझे उसी समय पता था कि इस पर बहुत बढ़िया मेनस्ट्रीम फिल्म बनेगी। ये वो फिल्म होगी, जिसके लिए ऑडियंस थिएटर पहुंचेगी। हॉल में लोग तालियां बजाएंगे और खूब एंजॉय करेंगे। मुझे इस तरह की फिल्में पसंद हैं। मैं मनमोहन देसाई सर का बहुत बड़ा फैन हूं। मुझे सलीम-जावेद की फिल्में पसंद हैं। मैं अभी भी अमिताभ बच्चन की क्लासिकल फिल्मों को दोबारा देखता हूं। मुझे चलते, बाहुबली, पुष्पा जैसी फिल्में पसंद हैं। मुझे उड़ान, कुम्बलंगी नाइट्स, मंजुमल बॉयज भी अच्छी लगती हैं। इस फिल्म को बड़ा बनाना और ग्लोबल लेवल पर ले जाना सब कुछ नेचुरल तरीके से ही हुआ। हमने ऐसा नहीं सोचा कि पार्ट-1 हिट हो गया तो चलो दूसरे पार्ट को वैसा प्लान करते हैं। इसमें खूब पैसे लगाते हैं।

मोहनलाल जैसे सुपरस्टार को डायरेक्ट करने का अनुभव कैसा रहा?

मैं बतौर डायरेक्टर अपनी फिल्म और विषय को लेकर काफी निष्पक्ष हूं। जब मैं डायरेक्ट करता हूं उस वक्त मेरे सामने एक्टर मोहनलाल होते हैं। मैं जानता हूं कि वो कितने बड़े सुपरस्टार हैं। मुझे उनका स्टारडम भी पता है। मैं भी स्टार मोहनलाल का फैन हूं। लेकिन मोहनलाल के साथ काम करना बहुत आसान है। एक्टर के तौर पर वो अद्भुत हैं। वो बहुत ज्यादा प्रोफेशनल भी हैं। शूट के पहले दिन उन्होंने सेट पर आते ही मुझसे पूछा कि तुम मुझसे क्या करवाना चाहते हो? वो चाहते थे कि डायरेक्टर उन्हें बताए। वो डायरेक्टर को सुनना चाहते थे।

फैंस को यह भी लगता है कि जब आप खुद इतने बड़े स्टार हैं फिर 'लूसिफर' का रोल आपने क्यों नहीं निभाया?

मैं जिस तरह से इस किरदार को देखता हूं, मेरी नजर में 'लूसिफर' सिर्फ मोहनलाल सर हो सकते हैं। शायद कोई और स्टार इस रोल को अलग तरीके से निभाता और वो भी इतना ही बढ़िया करता। लेकिन मेरे दिमाग में सिर्फ मोहनलाल सर थे।

लाइका प्रोडक्शन ने पैन इंडिया बड़ी और सुपरहिट फिल्में दी हैं। उनके साथ अपने मेगा बजट प्रोजेक्ट के बारे में बताइए।

लाइका प्रोडक्शन ने मुझसे पहली बार एक फिल्म डायरेक्ट करने के लिए संपर्क किया था, जिसमें रजनीकांत सर लीड होते। मेरे जैसे नए फिल्ममेकर के लिए ये बहुत बड़ा मौका था। मैं उस ऑफर के लिए एक्साइटेड भी था। लेकिन अफसोस की मेरे पास रजनी सर के लिए कोई बढ़िया सब्जेक्ट नहीं था। ऐसे में मैं रजनी सर को पिच नहीं कर सकता था। हालांकि, मेरे पास एक आइडिया था, जो मैंने सुबास्करण सर (लाइका प्रोडक्शन फाउंडर) के साथ शेयर किया। उन्हें वो पसंद भी आया। लेकिन उस वक्त मैं फिल्म गोट लाइफ की शूटिंग में बिजी था इसलिए आइडिया पर काम नहीं कर सका। शायद कभी मौका मिलेगा तो मैं रजनी सर को आइडिया पिच करूंगा। एक और प्रोजेक्ट है, जिसमें मैं बतौर एक्टर लाइका के लिए काम कर रहा हूं। इस पर बहुत लंबे समय से काम चल रहा है। जब वो चाहेंगे मैं इसका अनाउसमेंट करूंगा।

आने वाले समय में हिंदी पट्टी के फैंस आपको किस तरह के प्रोजेक्ट में देखेंगे।

मैंने दो हिंदी फिल्मों को हां कहा है। जब मेकर्स इनकी घोषणा करेंगे तब आपको पता चलेगा। मैंने अभी एक हिंदी फिल्म की शूटिंग खत्म की है। वो प्रोजेक्ट पोस्ट प्रोडक्शन में है और जल्द ही रिलीज होगी। इसकी घोषणा भी सही समय आने पर मेकर्स और स्टूडियो की तरफ से होगी।

स्वामी मुद्रक, प्रकाशक सम्पादक कृष्णा टेकड़ीवाल द्वारा डिजिटल अखबार कंकड़बाग पटना से प्रकाशित। समाचार पत्र में किसी भी समाचार व लेख-आलेख पर सम्पादक की सहमति अनिवार्य नहीं है। किसी भी वाद-विवाद के लिए न्याय क्षेत्र पटना ही रहेगा। मोबाइल- 9801716267